मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, गुरुवार, 8 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 5 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 120, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ उत्कृष्टता की ओर अग्रसर स्वदेशी रक्षा प्रणाली

मानहानि मामले में कंगना रनौत को बड़ा झटका ◂◂ 6

खूंटी में दर्दनाक सड़क हादसा

डोड़मा चर्च के दो पादरियों की मौत,एक गंभीर

चलती ट्रक में घुसी कार

संवाददाता

खूंटी: जिले में एक कार और ट्रक की टक्कर में दो रोमन कैथोलिक पादरियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य पादरी गंभीर रूप से घायल हो गये। उक्त जानकारी पुलिस ने दी।

तोरपा थाना प्रभारी मुकेश कुमार के अनुसार, यह दुर्घटना बुधवार देर रात रांची-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर हुई । मृतकों की पहचान दोदमा निवासी सुशील प्रवीण तिरु और सुनील भेंगरा के रूप में हुई है। तोरपा थाना प्रभारी ने बताया कि कार सवार तीनों व्यक्तियों को खूंटी स्थित सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां घायल पादरी जॉनसन भेंगरा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची के राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य दोनों पादरियों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे के वक्त तीनों व्यक्ति तोरपा से डोडमा की ओर जा रहे थे। तोरपा से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक सुदीप गुड़िया ने पादरियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पादरी सुशील प्रवीण तिरु का जीवन मानवता की सेवा, त्याग और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने बताया कि दोनों पादरी डोडमा रोमन कैथोलिक चर्च से जुड़े थे।

बंगाल में सियासी भूचाल : आई-पीएसी चीफ के घर ईडी की रेड, बीच कार्रवाई में अचानक पहुंचीं ममता बनर्जी,कहा-

मेरी पार्टी के दस्तावेज ले जा रहे, क्या शाह का यही काम

कोलकाता: इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने गुरुवार को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म आई-पीएसी के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक जैन ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की जा रही है।

सीएम ममता बनर्जी को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे प्रतीक जैन के घर पर पहुंच गईं। उन्होंने कहा, क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। सीएम ने कहा कि मेरी पार्टी के सभी दस्तावेज उठाकर ले जाया जा रहा है। एक तरफ वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा ने कहा- ममता ने केंद्रीय एजेंसियों के काम में दखल दिया: बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'मैं छापेमारी पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। ईडी डिटेल्स दे सकती है। ममता बनर्जी केंद्रीय एजेंसियों के काम में दखल दिया। ममता ने आज जो किया, वह जांच में बाधा डालना था। मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आई-पीएसी ऑफिस में वोटर लिस्ट क्यों मिला। क्या आई- पीएसी कोई पार्टी ऑफिस है।'

बिहार में हाई अलर्टः पटना समेत कई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

- जजों और वकीलों से खाली कराए गए परिसर
- कोर्ट परिसरों में आरडीएक्स और आईईडी प्लांट करने का दावा

पटना : बिहार की न्याय व्यवस्था और सुरक्षा एजेंसियों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब राजधानी पटना समेत राज्य के कई जिलों के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा ईमेल के जरिए भेजी गई इस धमकी में कोर्ट परिसरों में आरडीएक्स और आईईडी प्लांट करने का दावा किया गया है। धमकी मिलने के तुरंत बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पटना, दानापुर, गया और किशनगंज कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया है।

राजधानी पटना के सिविल कोर्ट में जैसे ही बम की सूचना मिली, वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। जिला जज ने तत्काल प्रभाव से एक आदेश जारी करते हुए डीबीए के सभी सदस्यों, वकीलों और वादी-प्रतिवादियों को कोर्ट परिसर खाली करने का निर्देश दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि ईमेल के जरिए तीन आरडीएक्स-आईईडी के माध्यम से कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंच गई है और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा रही है। इसी तरह दानापुर व्यवहार न्यायालय को भी खाली कराया गया है, जिससे अदालती कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है।

उधर, गया सिविल कोर्ट (गयाजी) और किशनगंज सिविल कोर्ट को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं। गया में जिला जज के सरकारी मेल पर धमकी मिलने के बाद डीएम और एसएसपी खुद मौके पर पहुंचे और सुरक्षा का जायजा लिया। वहां भी पूरा परिसर खाली कराकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

किशनगंज में भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। एसपी सागर कुमार ने जानकारी दी है कि प्रारंभिक जांच में धमकी भरा यह ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया प्रतीत हो रहा है। पुलिस की विशेष टीमें कोर्ट भवन के हर कोने की बारीकी से तलाशी ले रही हैं और सुरक्षा बढ़ा दी गई है, हालांकि अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। एक साथ राज्य के कई प्रमुख न्यायालयों को निशाना बनाने की इस घटना को पुलिस गंभीरता से ले रही है और साइबर सेल की मदद से ईमेल भेजने वाले का पता लगाया जा रहा है।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट का सवाल-

बिल्ली चूहों की दुश्मन तो क्या उन्हें ले आएं?

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, 'दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से क्या होता है? चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं।'

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर गुरुवार को फिर से सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा जानवरों से होने वाले खतरों और उन्हें नियंत्रित करने में नागरिक अधिकारियों की कथित कमियों को उजागर करने वाली याचिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, 'दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से क्या होता है? चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट- ...तो क्या बिल्लियों को बढ़ाना चाहिए? : उनकी इस दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी की, 'क्या इसका आपस में कोई संबंध है? हमें बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि वे चूहों की दुश्मन हैं।' इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने गली के हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमानुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

सड़क से हर कुत्ते को हटाने का नहीं दिया निर्देश :सुप्रीम कोर्ट : आवारा कुत्तों के मामले पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ में सुनवाई शुक्रवार के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच पीठ ने अपने पहले के निदेशों को स्पष्ट करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सड़कों से हर आवारा कुत्ते को हटाने का आदेश नहीं दिया गया था। नियमों के तहत उन्हें केवल संस्थागत इलाकों से हटाए जाने के निर्देश दिए गए थे।

कल भी सुनवाई: सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए कहा था कि सभी कुत्तों को पकड़ना समाधान नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि सभी कुत्तों को शेल्टर में रखना संभव नहीं है। आर्थिक रूप से भी व्यवहार्य नहीं है। इसे वैज्ञानिक तरीके से करना होगा। समस्या यह है कि कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है।

दर्दनाक सड़क हादसाः पेड़ से टकराई एसयूवी 4 छात्रों की मौत, एक गंभीर घायल

रंगारेड्डीः तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में शुक्रवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे मे चार युवकों की मौत हो गयी। मिजार्गुडा इलाके में एक तेज रफ्तार एसयूवी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि कार में सवार चार छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना रंगारेड्डी जिले के मोकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दुर्घटना की भयावहता साफ नजर आ रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एसयूवी का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और वाहन का ढांचा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। माना जा रहा है कि इसी वजह से कार में सवार चार छात्रों की जान नहीं बच सकी।

पुलिस ने हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी है। अपने बच्चों की मौत की खबर सुनते ही परिवारों में मातम पसर गया। पुलिस के अनुसार चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसके बाद उन्हें परिजनों को सौंपा जाएगा। मामले की जांच जारी है।

गहरी खाई में गिरी बोलेरो कैंपर,3 युवकों की मौत

चंबाः चंबा-तीसा मुख्य मार्ग पर बोलेरो कैंपर के गहरी खाई में जा गिरने से सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में कुल तीन लोग सवार थे। पुलिस ने मेडिकल कालेज में शवों के पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के विस्तृत कारणों की जांच आरंभ कर दी है। जानकारी के अनुसार चंबा से तीसा मार्ग की ओर जा रही बोलेरो कैंपर गुनू नाला के समीप चालक के नियंत्रण खो देने से गहरी खाई में लुढक गई।

वाहन गिरने की आवाज सुनकर आसपास से ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य आरंभ करने के साथ ही पुलिस को सूचित किया। दुर्घटना में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो घायलों ने उपचार के दौरान मेडिकल कालेज में दम तोड़ दिया। दुर्घटना में मारे गए युवकों की पहचान तारो चंद गांव दवारी, थान सिंह उर्फ सन्नी गांव सुमरा, बालो गांव पुंदरोड़ी डाकघर चांजू तहसील चुराह चंबा के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 22, 19, 17 वर्ष बताई जा रही है। एसपी चंबा विजय कुमार सकलानी ने घटना की पुष्टि की है।

सोमनाथ फेस्टिवलः सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर बोले प्रधानमंत्री-

'यह सिद्धांतों से समझौता न करने वालों का उत्सव है'

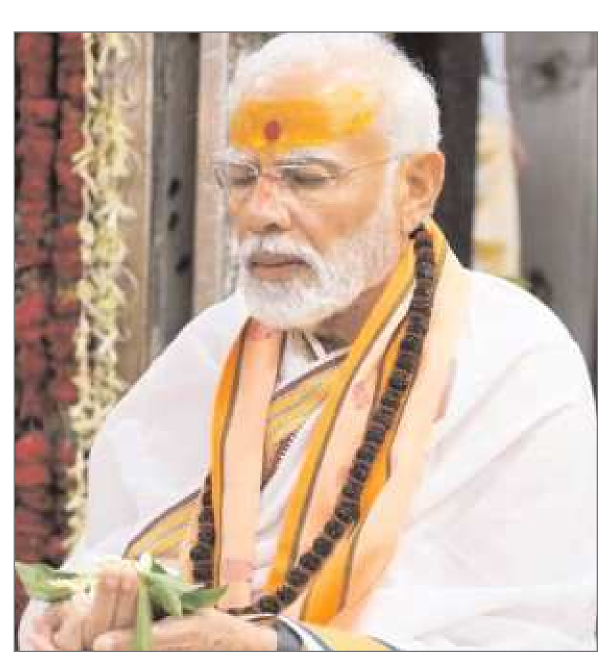

नई दिल्लीः ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर ओंकार और वैदिक मंत्रों से गूंज उठा, अरब सागर के ऊपर आसमान एक मेगा ड्रोन शो से जगमगा उठा, क्योंकि बुधवार को तटीय शहर में तीन दिवसीय 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' शुरू हो गया है, जो महमूद गजनवी द्वारा बार-बार की गई लूट के बावजूद मंदिर के लचीलेपन और पुनर्निर्माण की याद दिलाता है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री जीतू वाघाणी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जनवरी की शाम को सोमनाथ पहुंचेंगे और समारोह में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्वभारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरूआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा।

प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के साथ जरूर साझा करें। मोदी ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का यह अवसर, भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। समय कितना ही कठिन और भयावह क्यों ना रहा हो, उनका संकल्प हमेशा अडिग रहा। उन्होंने कहा, मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित एक कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।

रांची मून डिस्को बार की घटना दोनों मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रांचीः राजधानी रांची के मून डिस्को बार के बाहर कार से युवक को कुचलने की सनसनीखेज घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल वर्मा (उम्र 24 वर्ष, पिताः संजय वर्मा, निवासी,हरमू, रांची) और अमन सिंह (उम्र 22 वर्ष, पिताःराकेश सिंह, निवासी,लालपुर, रांची) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बीते रात मून डिस्को बार के बाहर हुई थी, जहां किसी बात को लेकर विवाद के बाद आरोपियों ने कार से जानबूझकर युवक को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान अंकित कुमार (उम्र 21 वर्ष, निवासी,कोकर, रांची) के रूप में हुई है, जिसे तत्काल इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज व प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया है।

कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, लापरवाही से वाहन चलाना और अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के समय आरोपी नशे की हालत में थे या नहीं।

घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड 22 के पार्षद प्रत्याशी व अमन यूथ सोसाइटी ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

रांची: हिंदपीढ़ी हरिजन बस्ती स्थित वार्ड 22 के कार्यालय में 2000 कम्बल गरीब व जरूरतमंदों के बीच बांटा गया। इस कार्यक्रम में पूर्व वार्ड पार्षद 25 एवं भावी प्रत्याशी वार्ड 22 के मो असलम ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी कम्बल वितरण किया जा रहा है। मैं पार्षद रहूं या नहीं पर सेवा भाव हमेशा रहेगा। जनता के बीच हर मुश्किल वक्त में मैं खड़ा रहा हूं और रहूंगा। आने वाले वक्त में वार्ड चुनाव होने जा रहा है और आप सभी से आज मैं यह वादा करता हूं कि भविष्य में वार्ड संख्या 22 को मॉडल वार्ड के रूप में विकसित करने का सपना लेकर चुनावी मैदान में उतरूंगा। आप सभी आज मेरे साथ ये संकल्प ले कि मेरे इस सपने को साकार करने में आप मेरा सहयोग करेंगे। आगामी वार्ड चुनाव में विजय होने के बाद मेरी पहली प्राथमिकता अपने वार्ड क्षेत्र में एक अस्पताल का निर्माण हो इसका प्रयास रहेगा अगर आपने मजबूती के साथ मेरा साथ दिया तो यह मुमकिन हो सकता है,इस मौके पर निवर्तमान पार्षद नाजिया असलम,अमन यूथ सोसाइटी के नदीम इकबाल,मो एहसान,अब्दुल बारी,मो अकबर मुन्ना,हारून रसीद,मो इरशाद,मुनाजिर आलम,लड्डुन जावेद,श्यामलाल गुप्ता,अनवर हुसैन, विलियम टोप्पो, हुस्ना बानो,असरफ अली,आरजू आलम,मो सईद अख्तर,मो नसीम,अमन यूथ सोसाइटी के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल रहे।

रील स्टार का खौफनाक अंत

चतरा : जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र से एक ऐसी खबर आई है जिसने सोशल मीडिया के दौर में पल रहे एक मासूम के सपनों को हमेशा के लिए खामोश कर दिया है। एक 14 साल का किशोर, जिसके पास अपना खुद का मोबाइल तक नहीं था, लेकिन दूसरों के फोन से रील बनाकर वह पूरे इलाके की धड़कन बन चुका था, आज उसकी लाश सड़क किनारे खून से लथपथ मिली है। मनातू-इमामगंज मुख्य मार्ग पर स्थित दुलकी पुल के पास अयान का शव मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर उस रात ऐसा क्या हुआ कि उभरते हुए इस कलाकार का वजूद मिट गया? प्रतापपुर के चरका खुर्द गांव का रहने वाला 14 वर्षीय अयान खान (पिता- एन्नुल खान) अपनी उम्र के बच्चों से बिल्कुल अलग था। पिछले एक साल से वह अपनी रील वीडियोज के जरिए आसपास के गांवों में काफी लोकप्रिय हो चुका था। जानकार बताते हैं कि अयान के पास अपना फोन नहीं था, वह दोस्तों या परिचितों के मोबाइल मांगकर वीडियो बनाया करता था और लोग उसकी अदाकारी को खूब पसंद करते थे। लेकिन किसे पता था कि रील बनाने का यह शौक दुलकी पुल के पास इस खौफनाक मंजर पर खत्म होगा। घटना की जानकारी तब मिली जब डूमरवार पंचायत समिति सदस्य इस्तियाक खान को किसी ने फोन पर बताया कि पुल के समीप एक बच्चे का शव पड़ा है। इस्तियाक ने तुरंत अयान के परिजनों को सूचित किया। जब परिवार के लोग मौके पर पहुँचे, तो अयान का चेहरा खून से लथपथ देखकर उनके होश उड़ गए। अयान के सिर पर किसी भारी चीज से जोरदार टक्कर या प्रहार के गहरे निशान थे। बेटे का शव देखकर पिता एन्नुल खान और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुँचे डूमरवार पंचायत के मुखिया रामजी पासवान ने आशंका जताई कि घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम थी, मुमकिन है कि किसी अज्ञात बड़े वाहन ने अयान को टक्कर मारी हो। वहीं, प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अयान या उसके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। पुलिस अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि यह केवल एक सड़क दुर्घटना है या इसके पीछे कोई खौफनाक साजिश छिपी है।अयान की मौत ने एक गरीब परिवार का चिराग बुझा दिया है। क्या यह कोहरे की आड़ में हुआ कोई 'हिट एंड रन' केस है या किसी अपराधी ने अयान को अपना निशाना बनाया? फिलहाल पूरी उम्मीद पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की तफ्तीश पर टिकी है।

टीबी मरीजों के बीच पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

चतरा: सिविल सर्जन कार्यालय चतरा परिसर स्थित जिला यक्ष्मा केंद्र के प्रांगण में जिला स्तर पर टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ0 जगदीश प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी,डॉ0 कुमार उत्तम उपस्थित थे। कार्यक्रम में टीबी मरीजों को 65 पोषण टोकरी वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने जिला में निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान चलाये जा रहे कार्यक्रम की सराहनीय करते हुये शत प्रतिशत टीबी मरीजों को अतरिक्त पोषण टोकरी उपलब्ध करने पर में सहयोग करने की बात कही। साथ ही जिले में और लोगों को निक्षय मित्र के साथ जोड़ने का प्रयास करने के लिए बोला गया हैं। बताया गया कि टीबी मरीजों को समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कर दवा का सेवन करना है। समय पर जांच व नियमित दवा के सेवन से टीबी को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि ने सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि ने बताया कि यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत की टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार ग्रामीण स्तर पर पंचायतों के मुखिया को सम्मलित किया जाना हैं। जिससे गांव में टीबी से सबंधित प्रचार -प्रसार बेहतर रूप से हो सके।सभी पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिये जागरूकता अभियान चलाया जाऐगा। टंडवा प्रखंड के अन्तर्गत दस पंचायतों को चिन्हित कर उस पंचायत में टीबी गहन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और दो सालों में उस चिन्हित पंचायतों को टीबी मुकत पंचायत करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से विक्रांत कुमार (डीपीसी),नवीन मिश्रा,अनु कुमार,सुरेश मंडल, रविन्द्र कुमार,संजय यादव,सरफराज एवं समस्त अधिकारी एवं यक्ष्मा कर्मी एवं सीनी संस्था से अमरजीत,ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

सोमा मुंडा की हत्या विरोध में किये गये खूंटी बंद का व्यापक असर, जनजीवन अस्त- व्यस्त

आदिवासी नेता सह एदेल संगा पड़हा के राजा सोमा मुंडा की हत्या विरोध में आज खूंटी बंद - अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष थे सोमा

चेंबर ऑफ कॉमर्स का भी समर्थन

खूंटी: जिले के आदिवासी नेता सह एदेल संगा पड़हा के राजा सोमा मुंडा की बुधवार को हत्या के खिलाफ जिला बंद का व्यापक असर दिख रहा है। आदिवासी संगठन के लोग सड़कों पर उतरकर हत्याकांड का विरोध कर रहे हैं। विधि व्यवस्था न बिगड़े इसको देखते हुई खूंटी प्रशासन चौकस है। खूंटी के चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी बंद को समर्थन दिया है।

बंद का व्यापक असरः गुरुवार की सुबह आदिवासी संगठनों के लोग सड़कों पर उतरे और बंद के समर्थन में नारेबाजी की। कई जगह ट्रैक्टर खड़ी कर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया गया है। जगह-जगह मुख्य मार्गों पर गाड़ियों की लंबी कतार लगी हुई है। स्थानीय लोगों ने मुरहू-तोरपा और अड़की इलाके में बंद कराया। हूटार चौक पर भी लोगों ने प्रदर्शन किया।

बुधवार को हुई थी पड़हा राजा की हत्याः बुधवार की शाम खूंटी थाना क्षेत्र के जमुआदाग के समीप अपराधियों ने सोमा मुंडा पर उस वक्त हमला किया, जब वे अपने घर लौट रहे थे। सोमा मुंडा अपनी पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। उनकी पत्नी ने बताया कि वे जमुआदाग के रास्ते से होकर अपने गांव चलांगी लौट रहीं थीं। जमुआदाग में तालाब के पास पीछे से एक बाइक पर सवार दो लोग आए और ओवरटेक करते हुए दो राउंड गोली चला दी। गोली लगते ही सोमा मुंडा गिर पड़े। गोली चलाने के बाद हमलावर बाइक सवार मंदरूटोली की ओर फरार हो गए।

घटना की निंदाः डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि एक जांच टीम गठित कर दी गई है। अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापेमारी लगातार जारी है। आज खूंटी सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। भाजपा नेता सह पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने घटना की निंदा करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है।

उन्होंने कहा कि इस घटना से साफ है कि कानून व्यवस्था किस हाल में है। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने घटना की निंदा करते हुए विधि व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं, खूंटी के कांग्रेसी सांसद कालीचरण मुंडा और तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। बता दें कि एदेल संगा पड़हा राजा, झारखंड पार्टी के एक जुझारू कर्मठ नेता, शिक्षाविद और आदिवासी समन्वय समिति, खूंटी जिला के संयोजक थे।

हंटरगंज सीएचसी परिसर में स्वास्थ्य मेला का आयोजन

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मेला में पहुंचे अतिथियों को सीएचसी प्रभारी डॉक्टर वेद प्रकाश ने बुके देकर सम्मानित किया।मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनार्दन पासवान,विशिष्ठ अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमार और सीएचसी प्रभारी डॉक्टर वेद प्रकाश आदि ने संयुक्त रुप से दीप जलाकर किया। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया।इसके बाद मौके पर लगे सभी स्टॉलों की अतिथियों ने बारी बारी से निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मचारियों को कई दिशा निर्देश दिया। शिविर में सैंकड़ों लोगों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क में दवा का वितरण किया गया। साथ ही मरीजों को जरुरी सलाह भी दी गई। मौके पर बीपी, सुगर, सीकल सेल, टीबी, मलेरिया, कुष्ट, नेत्र जांच आदि का स्टॉल लगाया गया था। विधायक ने कहा कि ग्रामीणों के घर पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ देने की योजना सराहनीय है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मी इसके लिए बधाई के पात्र हैं। ग्रामीण शिविर में आकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराएं। विधायक श्री पासवान ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए एक वरदान बनकर सामने आई है। लोगों से अपील है कि आप इसका लाभ अवश्य उठाएं।वहीं उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। साथ ही सभी ग्रामीणों को योजना का लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त देश बनाने के लिए विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन यह अभियान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता के सहयोग के बिना सफल होना मुश्किल है। इस मौके पर आभा कार्ड और आयुष्मान कार्ड का भी बनाया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉ विभा कुमारी, सीएचओ ऑलिव किरण लकड़ा, बीपीएम संजय सिंहा, बीडीएम ओमप्रकाश, रविशंकर पांडे, लालो देवी, कंप्यूटर ऑपरेटर वीरेंद्र कुमार, विनोद कुमार, बेबी रानी सहिया, और रीता कुमारी को विधायक ने सम्मानित किया।मौके पर लोजपा जिला अध्यक्ष गौरी यादव, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह,जिप सदस्य प्रतिनिधि बेचन पासवान, पूर्व जिप सदस्य सुनील कुमार दास, जयहिंद पासवान, मुखिया बृजकिशोर सिंह, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष श्यामदेव यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, कई समाजसेवी, विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

ममता हुई तार-तार, नाले में मिला नवजात बच्ची का शव

संवाददाता

चतरा : मां.. एक ऐसा पावन शब्द जिसे दुनिया में ईश्वर से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। कहते हैं कि माँ की ममता के आगे स्वर्ग का सुख भी फीका है, लेकिन चतरा से जो हृदयविदारक खबर सामने आई है, उसने इस पवित्र रिश्ते पर कालिख पोत दी है। चतरा शहर के समीप सदर थाना क्षेत्र के कठौतिया तालाब के पास एक गंदे नाले में एक नवजात बच्ची का शव मिला है। एक मासूम, जिसने अभी इस दुनिया की हवा में ठीक से सांस भी नहीं ली थी, उसे उसकी अपनी ही माँ ने मौत के कीचड़ में धकेल दिया। क्या मजबूरी रही होगी या क्या सामाजिक डर, यह तो जाँच का विषय है, लेकिन इस घटना ने पूरी मानवता को धिक्कारने पर मजबूर कर दिया है। मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे जब स्थानीय ग्रामीण इलाके में घूम रहे थे, तभी समाजसेवी और ग्रामीण अनुज कुमार प्रधान की नजर नाले के बीच पड़ी एक छोटी सी आकृति पर पड़ी। पास जाकर देखा तो मंजर देख रूह कांप गई। गंदे पानी और कीचड़ के बीच एक नवजात बच्ची का निष्प्राण शरीर लावारिस पड़ा था। खबर आग की तरह फैली और देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हर आँख नम थी और हर दिल इस क्रूरता को देखकर आक्रोशित था। जहाँ एक तरफ सरकार 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के नारे लगाती है, वहीं चतरा की इस घटना ने उन नारों की हकीकत बयां कर दी है। स्थानीय ग्रामीण अनुज प्रधान ने कहा कि यह मानवता को धिक्कार देने वाली घटना है। माँ की ममता पर इससे बड़ा कलंक कुछ नहीं हो सकता। जाने-अनजाने लोग गलत काम कर लेते हैं, लेकिन उसकी सजा इस मासूम को क्यों मिली? जिस बच्चे का अंतिम संस्कार सम्मान से होना चाहिए था, उसे नाले में फेंक दिया गया। आज इस मंजर को देखकर हमारा रोवा-रोवा सिहर उठा है। ऐसी माँ को संसार में धिक्कार है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ संदीप कुमार सुमन और थाना प्रभारी विपिन कुमार पुलिस बल और सदर अस्पताल की एम्बुलेंस टीम के साथ मौके पर पहुँचे। पुलिस ने बच्ची के शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल भेज दिया है। एसडीपीओ ने इस घटना को समाज के माथे पर कलंक बताते हुए दोषियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक कहा।यह अत्यंत घृणित और शर्मसार कर देने वाली घटना है। हमने शव को कब्जे में लिया है और गहन जांच शुरू कर दी गई है। जिसने भी इस मासूम के साथ ऐसा किया है, उसे चिन्हित कर कठोरतम कानूनी सजा दिलाई जाएगी। समाज में ऐसे कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सवाल सिर्फ उस माँ का नहीं है, सवाल उस मानसिकता का भी है जिसने एक मासूम को जन्म लेते ही मौत के मुंह में धकेल दिया।

झारखण्ड विस की सदाचार समिति पहुंची चतरा, उपायुक्त ने पौधा भेंट कर किया स्वागत

चतरा: झारखण्ड विधान सभा की सदाचार समिति का बुधवार को चतरा आगमन हुआ। समिति के चतरा परिषदन पहुंचने पर उपायुक्त कीर्तिश्री एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल द्वारा पौधा भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिले के वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।स्वागत कार्यक्रम के उपरांत चतरा परिषदन के सभा कक्ष में सदाचार समिति की बैठक आयोजित की गई।। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति एवं मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर समिति के सदस्य एवं सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो भी उपस्थित थे। जिसमें जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान समिति द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, कार्यालयीय कार्यप्रणाली, जनसेवा से जुड़े विषयों एवं नैतिक आचरण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों से उनके-अपने विभागों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। समिति ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता बनाए रखने तथा आमजन से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।उप विकास आयुक्त ने बैठक के दौरान समिति को जिले में संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया तथा प्रशासन की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

चतरा: कमांडेंट 35 बटालियन सशस्त्र सीमा बल चतरा के दिशानिर्देश पर नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत लातेहार जिला के मेराल प्रखंड के हेरहंज फुटबॉल ग्राउंड में फूटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण के साथ साथ निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं बीस दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान मानवेन्द्र, उपमहानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय, गयाजी, मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। मौके पर संजीव कुमार, कमांडेंट, 35 वाहिनी, अमित कुमार, प्रखंड विकास अधिकारी, हेरहंज, कृष्ण पाल सिंह पवइया, प्रभारी हेरहंज, हीरामणि लकरा, पंचायत चिरु, प्रीति कुजूर, मुखिया हेरहंज भी उपस्थित हुए ।

राज्य का पहला एमएसएनसीयू सदर अस्पताल चतरा में खुला

अब मां की गोद में ही होगा बीमार नवजातों का इलाज

मातृ-नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

संवाददता

चतरा : जिले में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए सदर अस्पताल चतरा में झारखंड राज्य के पहले मदर स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट (एमएसएनसीयू) मॉडल का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह अभिनव इकाई इमीडिएट कंगारू मदर केयर (आई-केएमसी) को व्यवहार में उतारते हुए जीरो सेपरेशन नीति के अनुरूप माँ और नवजात को साथ रखकर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराती है।इस अवसर पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान,सिमरिया विधायक कुमार उज्वल, उपायुक्त कीर्तिश्री , जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी एवं उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर यूनिट का शुभारंभ किया गया।

सदर अस्पताल चतरा में विकसित यह एमएसएनसीयू मॉडल, मदरझ न्यूबोर्न केयर को एकीकृत रूप में सुदृढ़ करता है। इस यूनिट के अंतर्गत विशेष रूप से समय से पहले जन्मे अथवा 1800 ग्राम से कम वजन वाले नवजात शिशुओं को उनकी माताओं के साथ ही रखकर उपचार एवं निरंतर निगरानी की व्यवस्था की गई है। इससे शिशुओं का तापमान संतुलन, संक्रमण से सुरक्षा, बेहतर पोषण एवं तेज वजन वृद्धि सुनिश्चित होती है। उपायुक्त ने बताया कि यह पहल जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी, एक्सक्लूसिव ब्रेस्टफीडिंग को बढ़ावा तथा माँ-शिशु के भावनात्मक जुड़ाव को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर उन्नत नवजात सेवाओं की उपलब्धता से अब केवल अत्यंत गंभीर मामलों में ही उच्च संस्थानों को रेफरल की आवश्यकता पड़ेगी। सदर अस्पताल चतरा स्थित इस एमएसएनसीयू में 11 माँ-शिशु बेड की सुविधा उपलब्ध है। जहाँ प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की संयुक्त देखरेख में एक ही कक्ष में माँ और शिशु की देखभाल की जाएगी। माताओं को अस्पताल में रहते हुए नवजात देखभाल, स्तनपान एवं एक्सप्रेस्ड ब्रेस्ट मिल्क से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा, जिससे डिस्चार्ज के बाद घरेलू देखभाल और अधिक प्रभावी हो सके। जिले में इस यूनिट का शुभारंभ चतरा के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह पहल न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों की माताओं को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायक होगी, बल्कि आने वाले समय में झारखंड के अन्य जिलों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में मार्गदर्शक सिद्ध होगी। मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर जगदीश प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम,सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार, डॉ आशीष कुमार, डॉ अजहर, रवि रंजन, दिलेर खान समेत अन्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से मिले जैप कमांडेंट पद्मा ,दी नववर्ष की शुभकामनाएं

विनय मिश्रा

रांचीः नववर्ष 2026 के अवसर पर जैप कमांडेंट पद्मा अविनाश कुमार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की और पुष्प गुच्छ भेंट देकर उन्हें नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाए और बधाई दी।

गौरतलब हो कि श्री कुमार भारतीय पुलिस सेवा 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। श्री कुमार झारखंड के उन सफलतम पुलिस अधिकारी के रूप पहचाने जाते हैं जिनकी उपलब्धि और उत्कृष्ट कार्य उनकी सशक्त पहचान है। श्री कुमार की सर्वप्रथम पदस्थापना स्थल बरही रही इसके पश्चात वे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरायकेला, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा, जैप डीएसपी के साथ साथ जैप के अपर पुलिस अधीक्षक ,अपर पुलिस अधीक्षक टाटीसिलवे भी रह चुके हैं तथा वर्तमान समय में जैप कमांडेंट पद्मा हजारीबाग में पदस्थापित हैं।

अज्ञात अपराधियों ने दुकानदार को मारी गोली, गंभीर, रिम्स रेफर

सिल्ली : सिल्ली थाना अंतर्गत पतराहातु गांव बीती रात रात 8 बजे के करीब महालक्ष्मी कैटरिंग फास्ट-फूड दुकानदार हराधन महतो को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी और फरार हो गये । बताया जाता है कि दो युवक एक बाइक से दुकान में पहुंचे थे, एक ने हेलमेट पहन रखा था। अपराधियों ने पहले 100 का नाश्ता करने के बाद पेमेंट किया फिर बिना किसी प्रकार के कहा -सुनी के एक युवक ने पिस्तौल निकाला और सीधे पेट में गोली चला दी। गोली पेट में लगी है, गोली लगते ही हराधन महतो जान बचाकर बगल के दुकानदार सुचाँद महतो के दुकान में घुसा, आनन फानन में लोगों ने उसे सिंहपुर नर्सिंग होम मुरी पहुंचाया जहां के चिकित्सक ने स्थिति को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया। समाचार लिखें जाने तक गोली पेट ही ही फंसा हुआ है घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। चर्चा यह भी है कि घटना के पीछे कोई बड़ा कारण हो सकता है।

लक्ष्मी मांझी को है जगंली हाथी का भय

मुरीः लोसेरा की रहने वाली लक्ष्मी मांझी की व्यथा यह है कि साल दो हजार बाईस में जंगली हाथी ने उसका घर तोड़ कर तहस नहस कर दिया। उस समय के बाद कई बार उसने घर निर्माण के लिए आवेदन दिया,पर कोई भी नहीं सुना। किसी तरह कच्चा घर बना कर रह रही है। उसे डर है कि कहीं पुनः जंगली हाथी उसके घर को तोड़ न दे। उसे घर से दूर जाकर पीने के लिए पानी लाना पड़ता है। अभी फिलहाल स्वयं गभ्रवती है। पति रांची में रहकर काम करता है। एक छोटा बेटा उसके साथ रहता है। सास- ससुर भी नहीं है।

कुसुमटीकरा फुटबॉल मैदान के पीछे खुलेआम चल रहा है हब्बा डब्बा का खेल

मुरीः कुसुमटीकरा फुटबॉल मैदान के पीछे हब्बा डब्बा का खेल खुले आम चल रहा है। यह खेल संगठित रुप से बड़े पैमाने पर खेला जा रहा है। इसे मैदान में कार्यकम की आड़ लेकर चलाया जा रहा है।

डॉ सुखदेव बेदिया चैंपियन ट्राफी समाप्त,विजेताओं को किया गया सम्मानित

मुरीः कुसुमटीकरा मैदान में स्व सुखदेव बेदिया चैम्पियन ट्राफी में बालक वर्ग के विजेता बिरसा एफ सी को पूर्व बिधायक सुदेश महतो ने ट्राफी देकर सम्मानित किया। वही बालिका वर्ग में नामकुम एफसी रांची को प्रखण्ड प्रमुख जितेन बडाईक ने ट्राफी देकर सम्मानित किया। मंच से भूमि दाता उदव सिंह मुंडा को सम्मानित किया गया। इसी मंच से स्व सुखदेव बेदिया के भाई अभिराम मांझी, रोहित मुंडा, सुजन लोहरा, पिंटू कुमार, प्रताप ठाकुर सम्मानित हुए। मैने आफ द सीरीज राजेश उरांव बिरसा एफ सी, मैन ऑफ द मैच महादानी एफ सी राहुल महतो, वेस्ट गोल कीपर रतिमा लकडा धोषित किए गए। सफल बनाने में सोमरा माझी, हरि पद मांझी, चैतन्य मांझी, अनुप मांझी, गुहीराम मांझी, संतोष कुमार, अनिल मांझी, सृष्टि धर मांझी, जनार्दन मांझी, लाल मांझी, अक्षय भोक्ता, चिराग संजय पंकज, वीरेंद्र कुमार, गीता देवी की सराहनीय योगदान रहा। एक अन्य सूचना में इसी कुसुमटीकरा फुटबॉल मैदान में आगामी 1 फरवरी, 2026 दिन रविवार को बेदिया युवा मंच की ओर से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सुबह 8 ।45 से शुरू किया जाएगा।

लोसेरा में 350 फीट के पीसीसी पथ का शिलान्यास

मुरीः सिल्ली पिस्का पंचायत अन्तर्गत आमटोला लोसेरा के गुणाराम मांझी के घर से पेन तक 350 फीट का पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास बिधायक अमित महतो की उपस्थिति में मोस्मात उम्रिला देवी के हाथों किया गया। इस मौके पर विधायक ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि और भी गांव के कार्य के प्रति बद्ध हूँ। आने वाले समय में और भी कार्य किए जाएगे। इस मौके पर इंजीनियर राजेश भगत, पूर्व मुखिया राजेश बेदिया दिनैशवर मंडल, सुयोग्य साहु, बिषम महतो, लक्षण मूंडा, राजू समेत गांव के गण्य मान्य लोग उपस्थित थे।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव के बेहतर और उत्कृष्ट कार्य विभाग के लिए गौरव

रांचीः भारतीय प्रशासनिक सेवा 2014 बैच के आईएएस अधिकारी सुशांत गौरव के नगर आयुक्त के रूप में योगदान देने के पश्चात से रांची नगर निगम में बेहतर कार्य प्रणाली और उत्कृष्ट माहौल देखते ही बनता है। विगत कई वर्षों के बाद पहले ऐसे नगर आयुक्त सुशांत गौरव हैं जिनके द्वारा स्वयं सड़कों पर परिभ्रमण कर समस्याओं की जानकारी, सफाई की व्यवस्था और बेहतर कार्य प्रणाली से रांची नगर निगम को बेहतर माहौल देने में जुटे हैं। उनके द्वारा सफाई हरमू का चिंतन, मार्ग के अतिक्रमण को मुक्त कराने की पहल, नगर निगम के राजस्व में बढ़ोत्तरी हेतू कारगर उपाय जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्राथमिकता में शामिल हैं। इन्हीं सार्थक कार्यों का परिणाम भी नगर निगम रांची को बेहतर बनाने में सफल हो रहा है जिसका श्रेय निश्चित तौर पर सुशांत गौरव को जाता है। विदित हो श्री गौरव इससे पूर्व सिमडेगा में उपायुक्त के रूप में अपने बेहतर कार्य से जिला को बेहतर बनाने में सफल रहे वहीं गुमला में उपायुक्त रहते किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया वो किसान अब उपलब्धि और कामयाबी के मिसाल बन गए हैं। इनके श्री गौरव के बेहतर कार्यों के फलस्वरूप वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सम्मानित हुए जो राज्य के लिए गौरव की बात है।

प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा

रांचीः झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ की आम सभा आयोजित की गई, जिसमें संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर सैकड़ों ऑटो चालक एवं ऑटो मालिक उपस्थित रहे।

आम सभा में घोषित पदाधिकारियों में संरक्षक पद पर कमल कुमार रवानी, मदन केसरी एवं शिवाकांत पांडे को नियुक्त किया गया। वहीं दिनेश सोनी को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। रामकुमार सिंह उपाध्यक्ष, राकेश कुमार सिंह महासचिव तथा नागेंद्र पांडे को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

सचिव पद पर आकाश भारती, रमाशंकर सिंह एवं तबरेज अहमद को नियुक्त किया गया, जबकि भोला सिंह कोषाध्यक्ष बनाए गए। सलाहकार मंत्री के रूप में आनंद वर्मा का चयन किया गया। कार्यकारी सदस्यों में फिरोज आलम, लाल सिंह, महताब आलम, मो जुम्मन, बृजेश कुमार सिंह, भरत कुमार द्विवेदी एवं लखविंदर महतो शामिल हैं।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने बताया कि आगामी बैठक में महासंघ के पांच घोषणा पत्र प्रेस के माध्यम से जारी किए जाएंगे। साथ ही जिन पदाधिकारियों या कार्यकारी सदस्यों की घोषणा अभी नहीं हो सकी है, उनकी घोषणा भी जल्द की जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि दिनांक 15 जनवरी 2026 के बाद महासंघ के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी यातायात प्रशासन, रांची नगर निगम एवं आरटीए/डीटीओ के साथ बैठक कर परमिट, पड़ाव, वर्दी एवं ग्लोबल टेंडर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

न्यायिक प्रक्रिया पर टिप्पणी करने वाले प्रमोद सिंह के खिलाफ हाईकोर्ट ने शुरू की आपराधिक अवमानना की कार्रवाई

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने हाल ही में प्रमोद सिंह नामक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू की हैं। यह आदेश जस्टिस अरुण कुमार राय की एकल पीठ ने पारित किया। अदालत ने कहा कि प्रमोद सिंह के कृत्य न केवल अदालती आदेशों की अवहेलना है बल्कि न्याय प्रशासन में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप और न्यायालय की गरिमा को कम करने का प्रयास भी हैं। हाईकोर्ट ने प्रारंभिक जांच में पाया कि प्रमोद सिंह का आचरण आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता हैं। आमतौर पर यह कार्रवाई तब की जाती है, जब कोई व्यक्ति जानबूझकर न्यायालय का अपमान करता है या न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश करता हैं। अदालत ने प्रमोद सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना कानून के तहत दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर कर रहे थे टिप्पणीः जानकारी के अनुसार, रामगढ़ के रहने वाले प्रमोद सिंह पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो बनाकर न्यायिक प्रक्रिया पर कठोर टिप्पणी कर रहे थे। इनके वीडियो में अदालतों और न्यायिक प्रक्रिया पर आपत्तिजनक बातें कही गई थी। इस पर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के बीच भी आलोचना हुई।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर मे तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा कल से ,तैयारियां पूरी

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग (रांची) में दिनांक 9 जनवरी से 11 जनवरी तक तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा एवं वाणी चर्चा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आध्यात्मिक कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। इस पावन अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक एवं सुप्रसिद्ध कथावाचक श्री श्री 108 परमहंस डॉ सदानंद जी महाराज अपने श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा की अमृतमयी वाणी का रसपान कराएंगे। सदानंद जी महाराज देश-विदेश में विख्यात कथावाचक हैं और उनकी कथाओं में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि कथा आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उल्लेखनीय है कि सदानंद जी महाराज वर्ष 1986 से रांची में निरंतर श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा का आयोजन करते आ रहे हैं। रांची में यह उनकी 39 वीं कथा होगी, जबकि अब तक वे देश-विदेश में कुल 2454 श्रीमद् भागवत कृष्ण कथाएं संपन्न करा चुके हैं। यह तथ्य उनकी अथक साधना,अनुभव और आध्यात्मिक प्रभाव को दर्शाता है।श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा न केवल भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करती है, बल्कि मानव जीवन को धर्म, सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती है। ट्रस्ट की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से इस दिव्य आयोजन में सपरिवार उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष रखी समस्याएं

मुरीः सिल्ली के पिस्का पंचायत अन्तर्गत लोसेरा तालाब बांध से पिस्का को जोड़ने वाली कच्ची सड़क को बनाने को लेकर ग्रामीणों ने विधायक अमित महतो से मिल कर समस्या रखी। पूर्व मुखिया राजेश मांझी ने बताया कि पिस्का और लोसेरा के रास्ते काफी शार्टकट हैं। इस रास्ते से ग्रामीणों का आना जाना भी है। रास्ते के आसपास कई घर भी है । सड़क कच्ची और उबड खाबड़ पत्थरीली होने के कारण पैदल यात्री, साइकिल मोटर साइकिल से आने जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। राजेश मांझी ने ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि लोसेरा में कई रास्ते पर पहले से पीसीसी बना है। फिर उसी पर पुनः पीसीसी बना दिया गया। जहाँ ज्यादा जरुरत है वहाँ किसी का ध्यान नही पड़ता है। ग्रामीण आक्रोश में बोले कि अगर हमलोग का रास्ता नहीं बना तो दूसरी जगह शिलान्यास किए पीसीसी बनने नहीं देगे।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कैरिज अजमेर द्वारा खुली ई-निविदा संख्या : वैरिज-04-2026 दिनांक 03.01.2026 आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा और यदि कोई मैन्युअल टेंडर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **(1) कार्य का नाम एवं स्थान :** वंदे भारत चेयर कार सीटों के लिए अपहोल्स्ट्री की सप्लाई और रिप्लेसमेंट रिलेटेड कार्य। **(2) अनुमानित लागत:** ₹3,03,83,961.6/- **(3) टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट:** ₹0.00 **(4) बयाना राशि:** ₹3,01,900.00/- **(5) ई-टेंडर फॉर्म जमा करने का समय व तारीख:** 24.01.2026 समय 13.30 बजे तक **(6) वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in **(7) पात्रता मानदंड:** लागू है।
नोट: बयाना राशी पेमेंट IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधा द्वारा ऑनलाइन जमा किये जाने है। 16-DK/20
NWRailways NWRailways_

शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह के शहादत दिवस पर निपु ने दी श्रद्धांजलि

रांचीः स्वतंत्रता सेनानी और महान क्रांतिकारी योद्धा शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह के 169वें शहादत दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी राजा ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के वंशज प्रवीर नाथ शाहदेव और राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह रांची जिले के जाने-माने समाजसेवी निपु सिंह ने चुटूपालू घाटी में शेख भिखारी और टिकैट उमरांव सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

रांचीः तीन जनवरी को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जन्म जयंती केन्द्रीय सरना समिति द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता शुभारंभ हुआ। इस खेल का आयोजन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान में हुआ । केन्द्रीय सरना समिति द्वारा आयोजित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि रांची सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा मैच का शुभारंभ किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप मे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, खूंटी विधायक राम सूर्य सिंह मुंडा, रांची विधायक सीपी सिंह,राम कुमार पाहन पूर्व विधायक, वरुण साहू रांची महानगर अध्यक्ष भाजपा,महेश मुंडा,अनुसूची जनजाति थाना प्रभारी धीरज महतो ग्रामीण अध्यक्ष भाजपा, मनोज सिंह, राजेश गुप्ता पूर्व पार्षद, भैरव सिंह, विकास तिवारी, प्रमोद सिंह, विशाल अग्रवाल, जयप्रकाश भगत, ज्योत्सना केर-केट्टा, अजीत लकड़ा, अनमोल कच्छप, प्रदीप कूजूर, जोगिंदर कुमार, सुशील यादव, ललित ओझा, संजय जयसवाल, अरविंद सिंह, सुशील यादव, रणवीर सिंह, गोविंद उरांव, मनोज सिंह, सुरेंदर लिंडा, कृष्णा कुमार, भोला केसरी, जगदीश सिंह जग्गू, अमित मुंडा, अरुण पाहन, पुष्कर बड़ाईक, सुरेश मिर्धा, मनीष कच्छप, सुचित तुर्की, संजय नायक, अभिनाश मिश्रा, समीर राय, राजेश वर्मा, सतीश ठाकुर, शशांक भरद्वाज,आदि उपस्थित हुए। आज का पहला मैच अभिमन्यु मुंडा फुटबॉल क्लब एवं सतियारी टोली फुटबॉल क्लब के साथ मुकाबला हुआ। जिसमें विजेता अभिमन्यु मुंडा फुटबॉल क्लब नामकुम विजेता हुआ। दूसरा सेमीफाइनल मैच निर्मल ब्रदर्स के साथ राजा स्पोर्ट्स क्लब बरियातू के साथ मुकाबला हुआ। जिसमें विजेता निर्मल ब्रदर्स विजेता हुआ। दोनों विजेता टीम के साथ फाइनल मुकाबला हुआ जिसमें निर्मल ब्रदर्स फुटबॉल क्लब ने मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का प्रथम पुरस्कार जीत दर्ज किया। मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का द्वितीय पुरस्कार अभिमन्यु मुंडा फुटबॉल क्लब नामकुम ने प्राप्त किया। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान,प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, महासचिव महादेव टोप्पो, करण नायक ,अमर टोप्पो ,शशि टोप्पो, शंभू टोप्पो, सागर राणा ,संदीप मंडल, मुन्ना हेंब्रम, रवि सागर, पवन लोहार, राजीव रंजन ,सुनील केरकेट्टा, अनमोल ,लकड़ा,रमेश उरांव,शोभा कच्छप, किरण तिर्की,मुकेश मुंडा ,संतोष मुंडा ,आशीष मुंडा ,महादेव मुंडा, मुन्ना हेंब्रम व अन्य उपस्थित थे

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 16 वर्ष 2025–2026

1. विभाग का नाम : भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, खूँटी।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 16.01.2026 को अपराह्ण 1.00 बजे तक।
4. मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 17.01.2026 को अपराह्ण 3.00 बजे तक।
5. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.01.2026 को अपराह्ण 3.30 बजे तक।
6. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1. कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, खूँटी।
   2. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर अंचल, राँची।
7. परिमाण विपत्र की प्राप्ति का स्थान : 1. अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर अंचल, राँची।
   2. कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, खूँटी।
8. कार्य की विवरणी–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Repairing of P.P. Office at District Court Khunti, Dist- Khunti.	3,26,000.00	750.00	6,600.00	20 Days
2.	Construction of Police Shed at Civil Court Campus, Dist- Khunti.	6,94,700.00	1,250.00	13,900.00	02 Months
3.	Renovation of Quarter No. – 1 (ADJ) of District Court Khunti, Dist- Khunti.	19,79,850.00	5,000.00	39,600.00	1.5 Months
4.	Renovation of Quarter No. – 2 (ADJ) of District Court Khunti, Dist- Khunti.	20,99,350.00	5,000.00	42,000.00	1.5 Months

नोटः- झारखण्ड सरकार, पथ निर्माण विभाग के संकल्प सह ज्ञापांक 2148 (S) राँची, दिनांक 09.09.2020 के आधार पर निविदा का निश्पादन किया जाएगा।
निविदा की शर्तें सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, खूँटी।

PR 370245 (Building) 25-26 (D)

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

भारत में भी हो जंक फूड को लेकर ब्रिटेन जैसी पहल

बच्चों के आहार में पौष्टिक तत्वों के बजाय हानिकारक जंक फूड शामिल होने से मोटापे और उससे जुड़ी बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है। चिकित्सक लगातार चेतावनी भी दे रहे हैं कि आज अधिकांश बच्चे पौष्टिक भोजन की जगह जंक फूड और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे उनमें मोटापा, कमजोरी और मानसिक अवसाद जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। इतना ही नहीं, गर्भवती महिलाएं भी इस जीवनशैली से अछूती नहीं हैं, जिसका सीधा असर गर्भस्थ शिशु के विकास पर पड़ रहा है। जंक फूड के इन्हीं खतरों से जुड़ी चिंता ब्रिटेन में लागू उस आदेश में झलकती है जिसके तहत वहां सरकार ने रात 9 बजे से पहले टीवी व ऑनलाइन प्लेफॉर्म्स पर जंक फूड के विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध उन खाद्य उत्पादों पर लागू हो गया है जिनमें फैट, नमक व चीनी की मात्रा अधिक होती है। भारत में भी इन मामलों में सख्ती बरतने की जरूरत है। यह तथ्य सर्वविदित है कि बच्चे जो देखते हैं उसे अपनाने की कोशिश सबसे पहले करते हैं। रंगीन पैकेजिंग, कार्टून पात्र और आकर्षक स्लोगन उन्हें लुभाते हैं। विज्ञापनों से सबसे ज्यादा बच्चों के प्रभावित होने की वजह भी यही है। विज्ञापनों के प्रति ऐसे आकर्षण का ही नतीजा है कि पौष्टिक भोजन पीछे छूट जाता है और बच्चों की थाली में जंक फूड उनकी पहली पसंद के रूप में सामने आता है। ऐसे आकर्षण की रोकथाम के लिए ब्रिटेन सरकार ने जो कदम उठाया है उसमें व्यावसायिक हितों से ज्यादा बच्चों की सेहत की चिंता की गई है। जबकि हमारे यहां गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर जारी दिशा-निदेशों तक की पालना ठीक से नहीं हो पा रही है। ऐसे में जंक फूड से जुड़े विज्ञापनों का समय तय करना भी एक बड़ी चुनौती है। स्कूलों के आसपास जंक फूड की बिक्री रोकने के आदेश भी कागजी ही साबित होते दिख रहे हैं। हमारे यहां तो स्कूल तक में बच्चों के टिफिन में पौषक तत्व कम बल्कि सेहत के लिए खतरा बनने वाले जंक फूड ज्यादा होते हैं। हैरत की बात यह है कि घर-परिवारों में भी बच्चों की सेहत की चिंता नहीं की जा रही और उन्हें जंक फूड खिलाने से परहेज नहीं किया जा रहा। यह सब उस संकट के बीच है जब बच्चों के पास खेल-कूद का समय व खेल मैदान पहले ही कम होते जा रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बच्चे ही नहीं बल्कि हर वर्ग के लिए भले ही जंक फूड स्वाद बढ़ाने वाले हों, लेकिन सेहत की दृष्टि से देखें तो ये एक तरह से बीमारियों के दरवाजे हैं। वक्त आ गया है जब ब्रिटेन की तरह भारत में भी ऐसे विज्ञापनों के प्रसारण व समय दोनों को नियंत्रित किया जाए। बच्चों को दादी-नानी के जमाने के पौष्टिक व्यंजनों के बारे में अवगत कराना जरूरी है। स्कूली स्तर से ही यह काम बेहतर तरीके से हो सकता है। समाज, सरकार और अभिभावकों को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि बच्चों को सेहतमंद रखा जा सके।

बेघर होने के संकट के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य पर भी असर

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की समस्या कोई आज की नहीं है और किसी एक जगह की भी नहीं है। देशभर में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर मकान-दुकान खड़े करने के मामले सामने आते रहे हैं। सड़कों का जाल बिछाने, इन्हें चौड़ी करने तथा दूसरी सरकारी परियोजनाओं के लिए जमीन की जरूरत पड़ती रहती है। ऐसी जमीन पर कई लोग अतिक्रमण कर काबिज हुए दिखते हैं। हाउसिंग एंड लैंड राइट नेटवर्क नामक संगठन का यह खुलासा चौंकाने वाला है कि वर्ष 2017 से 2023के बीच करीब साढ़े तीन लाख मकानों को तौड़ने की नौबत आई है। इससे भी बड़ी चिंता यह भी कि अभी करीब 1.7 करोड़ लोगों के घर टूटने के दायरे में हैं। वजह अतिक्रमण हटाने व विकास परियोजनाओं के लिए जरूरत दोनों ही हैं। विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। इसके लिए सरकारों की समुचित पुनर्वास योजनाएं भी होती हैं। लेकिन बड़ा संकट साफ-सुथरी सरकारी जमीन पर भी अतिक्रमण कर हुए निर्माण कार्यों का है जिनमें अधिकांश में रहवास भी होने लगता है। बेघर होने से बड़ा दर्द कोई नहीं हो सकता। यह संकट सीधे तौर पर स्वास्थ्य व शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को भी प्रभावित करने वाला होता है। बच्चे पढ़ाई से वंचित होते हैं तो महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करने लगती हैं। ऐसे परिवारों का आर्थिक रूप से टूटना तो तय ही होता है। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कोई एक-दो दिन में नहीं होता। जाहिर है जब जिम्मेदार बेखबर होते हैं तो भू-माफिया की गिद्ध दृष्टि ऐसी जमीनों पर पड़ती है। कई बार गांव-कस्बों से पलायन करने वाले परिवार खाली जमीन पर पहले अस्थायी रूप से बसते हैं और ऐसी ही अनदेखी के चलते धीरे-धीरे वे अपना घर भी बना लेते हैं। जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 फीसदी ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई मानना ही काफी नहीं। पहले अतिक्रमण कर बनाए घरों के निर्माण में हुआ खर्च और बाद में इन्हें हटाने की लागत को भी जोड़ें तो यह नुकसान देश का ही है। किसी सरकारी प्रोजेक्ट की घोषणा तथा उसे क्रियान्वित करने के बीच लंबा अंतराल भी अतिक्रमण की समस्या को बढ़ाता है। जरूरत ऐसी नीति बनाने की है जिसमें अतिक्रमण रोकने की शुरू से ही व्यवस्था हो। सरकारी सिस्टम में जो अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले हों उन पर भी सख्ती की जरूरत है, तब जाकर ही लोग बड़ी संख्या में बेघर होने से बचेंगे।

उत्कृष्टता की ओर अग्रसर स्वदेशी रक्षा प्रणाली

उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपए 21083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है ।

विकेश कुमार बडोला

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में आयात निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन 2026 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम की विशाल भूमिका रही है।

इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था, कि कैसे इस वायु अस्त्र ने शत्रु देश के चिन्हित ठिकानों को ध्वस्ताधूत किया था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। यह चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारत की आक्रामक क्षमता में वृद्धि करती है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण आकाश प्राइम में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉड्र्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिए विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोडकर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना मेक इन इंडिया के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस श्रृंखला का महत्त्वपूर्ण अंग है तेजस।

तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। यह एक हल्का, चौथी पीढ़ी का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इस वर्ष तेजस मार्क-2 का उत्पादन और परीक्षण अंतिम चरणों में है, जो राफेल के स्तर की तकनीक से लैस है। इसके अतिरिक्त एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट भी भारत का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर प्रोग्राम है। यह दुश्मन के रडार से बचने की क्षमता रखता है। साथ ही एलसीएच प्रचंड भी रक्षा हेतु एक अति उपयोगी अस्त्र है। ये दुनिया का एकमात्र लड़ाकू हेलीकॉप्टर है जो 5000 मीटर की ऊंचाई (सियाचिन जैसे क्षेत्रों) पर आवश्यकतानुसार उतर सकता है और उड़ान भर सकता है। थल एवं नभ ही नहीं, अपितु समुद्र में भी स्वदेशी रक्षा शक्ति नित नवीन उपलब्धियां अर्जित कर रही है। इस आलोक में भारतीय नौसेना का लक्ष्य 2030 तक पूरी तरह स्वदेशी जलयान का निर्माण करना है। हालांकि आईएनएस विक्रांत इस लक्षित कार्य की दिशा में पहले से अर्जित एक उपलब्धि है ही। यह भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है, जिसने भारत को उन विशिष्ट देशों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है जो 40000 टन से अधिक भार के विशाल जलयान बना सकते हैं। इस श्रृंखला में आईएनएस अरिहंत का उल्लेख भी अनिवार्य है। ये वे स्वदेशी परमाणु पनडुब्बियां हैं, जो भारत की न्यूक्लियर ट्रायड (जल, थल और नभ से परमाणु हमले की क्षमता) को पूर्ण करती हैं। साथ ही प्रोजेक्ट 75-आई के तहत भारत में ही अत्याधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक चालित पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है। आईएनएस विक्रांत के सफल संचालन के बाद भारत अब दूसरे स्वदेशी विमान वाहक आईएसी-2 की योजना पर काम कर रहा है। आर्टिलरी और बख्तरबंद वाहन के9 वज्र-टी एक स्वचालित हॉवित्जर तोप है जिसे एलएंडटी ने भारत में निर्मित किया है। धनुष भी महत्वपूर्ण है, जो बोफोर्स का संशोधित संस्करण है। एटीएजीएस 155एमएम/52 कैलिबर दुनिया की सबसे लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपों में से एक है। अर्जुन मार्क-1ए भारत का मुख्य युद्धक टैंक है, जो आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों और हंटर-किलर क्षमता से लैस है। युद्धकौशल में वृद्धि हेतु भविष्य की रक्षा तकनीकों का वर्णन यदि होता है तो ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम केंद्र में होते हैं। आधुनिक युद्ध अब धरातल पर सैनिकों द्वारा नहीं, अपितु तकनीक और ड्रोन आधारित हो चुके हैं। इस बिंदु को ध्यान में रख तपस-बीएच-201 तैयार है। यह एक स्वदेशी मीडियम एल्टिट्यूड लांग एंड्युरेंस यानी कि मेल ड्रोन है, जो निगरानी और गुप्त जानकारी एकत्र करने के लिए बनाया गया है। डीआरडीओ ने एक एंटी-ड्रोन सिस्टम डी-4 प्रणाली विकसित की है जो शत्रु के ड्रोन को निष्क्रिय कर सकती है या लेजर से नष्ट कर सकती है। फिलीपींस को ब्रह्मोस की आपूर्ति के

सोमनाथ : अटूट आस्था के एक हजार वर्ष

इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है।

साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुननिर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे। 1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्त्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है।

1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया। महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्त्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ह्यदक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है।

इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।ह्न ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढकर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दिवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख केएम मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है।

उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक सोमनाथ : द श्राइन इटरनल , अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। बहरहाल, सोमनाथ मंदिर हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

नई चेतना का सृजन

ओशो

चिंतन-मनन

हम अब तक के सबसे महत्त्वपूर्ण दौर में जी रहे हैं, क्योंकि यह एक बड़े पतन का समय है। या तो मानवता लुप्त हो जाएगी या फिर जीवन का एक बिलकुल नया तरीका आ जाएगा। ये क्षण अत्यंत नाजुक है, यह मानव जाति द्वारा अब तक सामना किया गया सबसे बड़ा संकट है। इस पृथ्वी को नष्ट करने की क्षमता इतनी विशाल है कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि हमने किस लिए इतनी विनाशकारी क्षमता एकत्रित की है। यदि मनुष्य बुद्धिमान है, तो उसका संसार एक भिन्न प्रकार का होगा, हर तरह से अधिक प्राकृतिक, अधिक सामंजस्यपूर्ण, अधिक काव्यमय। मेरी इसी आशा से मैं तुम संन्यासियों का सृजन कर रहा हूं। मेरी इसी आशा से मैं एक नई प्रकार की चेतना का सृजन कर रहा हूं। मैं यहां आपको और अधिक ज्ञान देने नहीं आया हूं। मैं यहां आपको सचेत करने, आपको जाग्रत करने आया हूं। संकट का समय खतरनाक होने के साथ-साथ अत्यंत महत्त्वपूर्ण भी होता है, उन लोगों के लिए खतरनाक जिनमें जीवन के नए आयामों को तलाशने का साहस नहीं होता। वे विभिन्न प्रकार के पागलपन में विलीन हो जाते हैं, क्योंकि उनका मन समाज द्वारा निर्मित होता है। अब समाज विलीन हो रहा है, मन स्थिर नहीं रह सकता, उसकी जड़ें समाज में ही हैं। उसे निरंतर समाज से ही पोषण मिलता है, अब वह पोषण लुप्त हो रहा है। लेकिन संकट का समय उन साहसी आत्माओं के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है जिन्होंने कभी समाज की प्रतिष्ठा, उसके सम्मान की परवाह नहीं की, जिन्होंने कभी इस बात की परवाह नहीं की कि दूसरे उनके बारे में क्या सोचते हैं, बल्कि केवल वही किया जो उन्हें सही लगा, जो एक तरह से हमेशा विद्रोही, व्यक्तिवादी रहे हैं। इन लोगों के लिए संकट का समय ही स्वर्णिम होता है। इस वैश्विक आत्महत्या के बाद दुनिया में केवल कुछ ही लोग जीवित रह पाएंगे और वे लोग होंगे जो चेतना में गहराई से जुड़े हुए हैं सतर्क, जागरूक, प्रेमपूर्ण और अतीत से पूरी तरह और बिना शर्त खुद को अलग करने के लिए तैयार हैं और एक बच्चे की ताजगी के साथ नए मनुष्य और नई मानवता की शुरूआत करने के लिए तैयार हैं। मुझे इस बात से बेहद खुशी हो रही है कि दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो अपने भीतर गहराई तक उतरने में सक्षम हैं।

आपके पत्र

पानी में भी भ्रष्टाचार का जहर तो नहीं मिल गया?

प्राणी जाति के लिए साफ-सथुरा पानी अमृत है तो दूषित पानी जहर होता है, इसका सेवन करने से बचें। अक्सर देश के विभिन्न राज्यों में दूषित पानी लोगों की सेहत का दुश्मन बन जाता है। आजकल वो शहर इंदौर जिसे स्वच्छ भारत अभियान में नंबर वन का खिताब मिला है, वहां दूषित पानी से लोगों की मौत सुर्खियां बनी हुई हैं। अगर सबसे स्वच्छ स्थान का ही यही हाल बेहाल है तो बाकी राज्यों का क्या हाल होगा?

लेकिन सवाल तो यह है कि आखिर पानी दूषित कैसे हो जाता है? क्या पानी की सप्लाई के लिए जो व्यवस्था है, उसकी समय-समय पर जांच नहीं की जाती? या फिर संबंधित विभाग के बाबुओं को मोटी सैलरी से ही मतलब है? कहीं इसमें भी भ्रष्टाचार तो नहीं हो रहा है?

बीके शर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

फ्रेंडली क्रिकेट मैच में पुलिस एकादश विजय राजमहल एसडीपीओ मैन ऑफ द मैच

साहिबगंज : साहिबगंज पुलिस एकादश बनाम प्रेस एकादश के बीच बुधवार को पुलिस लाइन मैदान में फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।टॉस प्रेस एकादश के कप्तान राजू पाठक ने जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। 16 ओवर में पुलिस एकादश ने 204 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिसमें राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडे सहित अन्य ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।वही प्रेस एकादश की टीम 16 ओवर में बेहतरीन क्रिकेट खेलते हुए लक्ष्य से पीछे रह गई।पत्रकार एकादश की ओर से अजित कुमार,प्रेम कुमार,नवीन कुमार, देव आर्यन,सुधाकर गुप्ता,प्रशांत कुमार,मुन्ना कुमार यादव, अमित राज सिंह सहित अन्य ने बेहतरीन बोलिंग बैटिंग का प्रदर्शन किया।विजेता और उपविजेता टीम को एसपी अमित कुमार सिंह ने ट्रॉफी मोमेंटो व आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया।वही मैच के बाद सभी ने वन भोज का आनंद उठाया।मौके पर डीएसपी रूपक कुमार,मेजर रोहित दुबे राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, इंस्पेक्टर सह नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता,मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडे,गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार, बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार, तालझारी थाना प्रभारी नीतीश पांडे, बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव,बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार,विश्वजीत कुमार,राजू पाठक,पंकज वर्मा,उज्जवल सिंह, आलोक कुमार,प्रीतम पाण्डेय अरविन्द कुमार,सहेन्द्र प्रसाद प्रमोद निरंजन,निर्भय ओझा,अरविन्द ठाकुर, नुमानी बच्चन पाठक,नवीन रॉय,चन्दन सिंह सहित अन्य थे।

भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव को पश्चिम बंगाल का चुनाव प्रभारी नियुक्त

साहिबगंज : भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संसदीय सदस्य राजकुमार चाहर ने पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री सह भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव को पश्चिम बंगाल का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है।जहां बजरंगी प्रसाद यादव को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रभारी नियुक्त किए जाने से भाजपा नेताओं व कार्यकताओं में खुशी की लहर है।वही इसको लेकर भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर को धन्यवाद दिया है।वही उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पार्टी को जीत दिलाने के लिए रणनीति बनाते हुए कार्य किया जाएगा।बजरंगी प्रसाद यादव को पश्चिम बंगाल का चुनाव प्रभारी बनाने पर साहिबगंज भाजपा जिला अध्यक्ष उज्जवल मंडल,रणधीर सिंह,पवन सिंह,अशोक यादव,चंद्रभान शर्मा,विजय कुमार सिन्हा,किशोर मंडल,कुंदन पासवान,कृष्ण शर्मा,चंदू पासवान,मनोज केसरी,हिरण ताती,पंकज घोष,सत्य प्रकाश सिंन्हा,संदीप घोष,डब्बू अग्रवाल,मिथुन मंडल,निताई मंडल,सुजीत यादब,विवेक मालतो,मिथुन रविदास,आनंद दास,गणेश राय सहित अन्य लोगो ने बधाई दी है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा का एकदिवसीय धरना

बासुकीनाथ : नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता के विरोध में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद के नेतृत्व में मंगलवार को बासुकीनाथ नगर पंचायत भवन के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना- प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल उपस्थित थे । यह धरना- प्रदर्शन कार्यक्रम नगर निकाय चुनाव अविलंब कराने,चुनाव दलीय आधार पर कराने तथा मतदान ईवीएम के माध्यम से सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आयोजित किया गया।

धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभयकांत प्रसाद(बम बाबू) ने कहा कि राज्य में बीते दो वर्षों से नगर निकाय चुनाव लंबित हैं,जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जनप्रतिनिधियों के अभाव में नगर पंचायतों का संचालन प्रशासकों के भरोसे है, जिसका सीधा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य ठप पड़े हैं और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुएनिवास मंडल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपनी राजनीतिक विफलताओं और संभावित हार के भय से नगर निकाय चुनाव को लगातार टाल रही है। पूर्व में नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर एवं ईवीएम से कराए गए थे, जिससे पारदर्शिता बनी रहती थी, लेकिन वर्तमान सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने की मंशा से नियमों में बदलाव कर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने स्पष्ट मांग की कि राज्य सरकार अविलंब नगर निकाय चुनाव की तिथि घोषित करे, चुनाव दलीय आधार पर कराए जाएं और मतदान प्रक्रिया ईवीएम के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। भाजपा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। धरना -प्रदर्शन कार्यक्रम में अभयकांत प्रसाद,रविकांत मिश्रा,निवास मंडल,गौरवकांत, विश्वंभर राव, जय किशोर साह,पूनम देवी,मिथिलेश कुमार झा,मुरली मंडल,बैद्यनाथ पांडे,स्वरूप सिंहा, शैलेश कुमार राव,मनोज कुमार साह,रंजीत कुमार पांडे,संदीप कुमार पांडे,जयप्रकाश शर्मा,मनोरमा देवी,आनंदी देवी झा,कुंदन देवी,रुपेश मंडल,दीपांशु कुमार, कार्तिक कुमार राव,राजेश गुप्ता,सुनीता देवी,सुनील सिंहा,गुड्डू सिंहा,प्रवीण सिंह,नरेश पंडा,रमेश कुमार मिश्रा,सोनू दत्ता,पप्पू सिंह,देवानी राय,आनंदी मांझी,निर्मल मांझी,जर्मनसेन,केशव गुप्ता, अरुण राय,देवनारायण यादव,महिवाल मंडल,घनश्याम पंडित,सुबोध मंडल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सोहराय पर्व प्रकृति, पशु तथा मनुष्य के लिए खुशियों का पैगाम लाता है : कुलपति

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका परिसर में बुधवार को स्नातकोत्तर संताली विभाग के द्वारा सोहराय महापर्व तथा संताली भाषा दिवसश्च मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा किया गया था। कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व नायकी सुनील मुर्मू तथा आतो मोड़ें होड़ के द्वारा गोड टांडी में पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो (डॉ) कुनूल कांदीर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ रीना नीलिमा लकड़ा उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुरूआत अमर शहीद का सिदो कान्हू मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ सुशील टुडू ने दिया। जबकि संताली भाषा का परिचय तथा भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल होने तक का महत्व डॉ निर्मल मुर्मू ने रखा। उन्होंने कहा कि संताली आस्ट्रिक भाषा परिवार की सबसे बड़ी भाषा है। 22 दिसंबर 2003 को लोकसभा में तथा 23 दिसंबर 2003 को राज्यसभा में विधायक

पारित हुआ था और 7 जनवरी 2004 को तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल होने के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ था। एसपी कोलेज दुमका के संताली विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ होलिका कुमारी मरांडी ने सोहराय पर्व के महत्व के बारे में व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ रीना नीलिमा लकड़ा ने अपने भाषण में कहा कि सोहराय आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है। यह पर्व प्रकृति के साथ-साथ पशुओं से भी जुड़ा हुआ है। विश्वविद्यालय परिसर में इसका आयोजन होना केवल खुशी ही नहीं बल्कि इस बात का द्योतक है कि इस विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा संस्कृति क्षेत्रों में भी बेहतर काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो. (डॉ) कुनूल कांदीर ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में स्नातकोत्तर संताली विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सोहराय महापर्व का आयोजन होना गौरव का विषय है। यह पर्व प्रकृति, पशु तथा मनुष्य के लिए खुशियों का पैगाम लाता है। और इस तरह आयोजन किया जाना इस बात का प्रतीक भी है कि हम अपनी भाषा तथा संस्कृति को कितना जीवंत रख सकते हैं। आधुनिक दौर में सभी समुदाय अपनी जड़ों से दूर होते जा रही है लेकिन संताल समुदाय आज भी अपनी भाषा संस्कृति तथा पोशाक से जुड़ा हुआ है। उन्होंने अन्य वक्ताओं के विश्वविद्यालय में सामूहिक रूप से सोहराय पर्व मनाने का आग्रह को स्वीकार करते हुए कहा कि आने वाले समय में सामूहिक रूप से विश्वविद्यालय परिसर में सोहराय पर्व का आयोजन किया जाएगा। समारोह में हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ विनय कुमार सिन्हा, संस्कृत के विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार मिश्र, अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष डॉ पीपी सिंह, सभी संकाय के संकाय अध्यक्ष ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम के समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए स्नातकोत्तर संताली विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्षा डॉ शर्मिला सोरेन ने कहा कि संताली भाषा भारतीय संविधान के 8वीं अनुसूचि में शामिल होना बहुत ही गर्व का विषय है। आज संताली भाषा चहुमुखी विकास की ओर आगे बढ़ रही है और इसका मुख्य लिपि देवनागरी है जिसके वजह से संताली का सफर यहां तक पहुंचा है क्योंकि यह लिपि बहुत ही सरल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिपूर्ण है।

मंच संचालन दिलीप कुमार टुडू ने किया जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में आनंद हेम्ब्रम, सुनील मुर्मू, आरती टुडू, रोशनराज टुडू,देव मुर्मू, सलबिना टुडू, एलियस मराण्डी, सोनू मुर्मू, मुन्ना हांसदा, सुजाता टुडू, पिंकी मुर्मू मेघाकिरन हांसदा आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया।

सार्वजनिक स्थानों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के सातवें दिन के अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में साहिबगंज ज़िले के सभी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, टैम्पो टोटो स्टैंड तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान बस चालकों, ऑटो एवं टैम्पो चालकों, कंडक्टरों तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु संवेदनशील एवं जागरूक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर को न्यूनतम करना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश प्रसारित किये गए तथा पंपलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल का वितरण कर आमजन को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।साथ ही सड़क सुरक्षा व ईडी वैन द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ताकि किसी भी व्यक्ति को जानकारी के अभाव में जोखिम का सामना न करना पड़े।जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मिथिलेश कुमार चौधरी ने सभी वाहन चालकों तथा नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, चार पहिया वाहन चालाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाएँ तथा शराब पीकर वाहन चलाने से परहेज करें। साथ ही, सभी को जिम्मेदार व सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने का आग्रह किया गया।इस अवसर पर एम.भी.आई. अभिषेक मुंडा एवं कुमार उत्कर्ष, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आर.पी.एफ. एस.आई. रविन्द्र तिवारी सड़क सुरक्षा योद्धा ओम प्रकाश पंडित उर्फ प्रजापति बाबा अभिषेक वत्स, कार्तिक कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर एवं आईटी सहायक राजहंस उपस्थित रहे।

जाली करेंसी मामले में महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने राधानगर में की छापेमारी महिला हिरासत में

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : 72 हजार रुपये की जाली करेंसी बरामदगी के मामले में देर शाम महाराष्ट्र राज्य के शिवाजी पार्क थाना की चार सदस्यीय पुलिस टीम राधानगर थाना पहुंची। इसके बाद शिवाजी पार्क पुलिस ने राधानगर थाना पुलिस के सहयोग से संयुक्त रूप से थाना क्षेत्र अंतर्गत अमानत दियारा पंचायत में छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान कथित जाली नोट के कारोबार से जुड़े मामले में एक महिला आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।जानकारी के अनुसार बीते 31 दिसंबर की शाम करीब 5 बजे शिवाजी पार्क पुलिस थाना के क्राइम डिटेक्शन ऑफिसर सपोनी मंगेश जमदडे अपनी टीम के साथ मुंबई के दादर इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान डी सिल्वा स्ट्रीट स्थित शगुन होटल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घूमते देख पुलिस को शक हुआ। शक के आधार पर दो पंचों की उपस्थिति में जब तलाशी ली गई, तो आरोपी के अंडरवियर में सिली हुई जेब से 500 रुपये के 144 जाली नोट बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत 72 हजार रुपये आंकी

गई। पुलिस ने तत्काल जाली नोट जब्त करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमरुद्दीन अली हुसैन शेख (6) राधानगर थाना क्षेत्र के रूप में हुई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ अंधेरी, डीबी मार्ग, नेरुल, भोईवाड़ा और अंबरनाथ समेत कई थानों में चोरी, मारपीट सहित अन्य गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 180 के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ के दौरान इस अवैध धंधे में कई अन्य लोगों की संलिप्तता की जानकारी सामने आई। आरोपी की निशानदेही पर शिवाजी पार्क थाना के हेड कांस्टेबल आकाश अप्पासो मंगले के नेतृत्व में चार सदस्यीय पुलिस टीम देर शाम राधानगर पहुंची। स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमानत दियारा पंचायत में छापेमारी कर एक महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार बुधवार को पूछताछ और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी महिला को राजमहल व्यवहार न्यायालय में प्रस्तुत कर ट्रांजिट रिमांड पर शिवाजी पार्क थाना, महाराष्ट्र ले जाया जाएगा। छापेमारी अभियान में शिवाजी पार्क थाना के पुलिस कांस्टेबल अमित प्रकाश कदम, महिला पुलिस कांस्टेबल गायत्री राजेंद्र राउत सहित राधानगर थाना पुलिस बल के जवान शामिल थे।

राज्य सरकार दलीय आधार पर चुनाव कराने से डर रही है : पूर्व विधायक

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश में नगर पंचायत नगर परिषद व नगर निगम क्षेत्रों में राज्य की हेमन्त सोरेन सरकार के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है।भाजपा का स्पष्ट आरोप है कि राज्य सरकार ने जानबूझकर नगर निकाय चुनाव को वर्षों तक टालकर प्रशासनिक अराजकता को बढ़ावा दिया।जिसके कारण पूरे प्रदेश में अफसरशाही हावी हो गई और आम जनता के काम ठप हो गए।भाजपा का कहना है कि नगर निकायों में बिना लेन-देन के कोई भी कार्य नहीं हो पा रहा है और बिचौलियों का बोलबाला बढ़ गया है।जब चुनाव कराने की बारी आई तो हेमन्त सोरेन सरकार ने दलीय आधार पर चुनाव न कराने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय लिया जिसका भाजपा लगातार विरोध कर रही है।भाजपा की स्पष्ट मांग है कि नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर और ईवीएम से कराए जाएं।वही भाजपा साहिबगंज जिला द्वारा साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र में धरना प्रदर्शन नगर अध्यक्ष बिनोद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।इस धरने में भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता व पूर्व विधायक अनन्त ओझा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।धरना को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अनन्त ओझा ने कहा कि

हेमन्त सोरेन की सरकार दलीय आधार पर चुनाव कराने से डर रही है।सरकार को यह भली-भांति पता है कि जनता को गुमराह कर सत्ता तो हासिल कर ली गई,लेकिन जनता अब जवाब देने के लिए तैयार है। दलीय आधार पर चुनाव हुआ तो इनका सूपड़ा साफ हो जाएगा।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ईवीएम से चुनाव कराने से भाग रही है।जबकि यह भी सत्य है कि ईवीएम कांग्रेस की ही देन है।जिनके साथ झामुमो आज सत्ता में शामिल है।श्री ओझा ने आरोप लगाया कि राज्य में ब्लॉक से लेकर नगर निकाय कार्यालय तक बिना पैसे दिए कोई काम नहीं होता।हर स्तर पर बिचौलियों का वर्चस्व है और आम जनता परेशान है।उन्होंने साहेबगंज जिले के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के नेता केवल विकास के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।पश्चिमी एवं पूर्वी फाटक रेल ओवरब्रिज के लिए उन्होंने लगातार आवाज उठाई, जिसके बाद राज्य और केंद्र सरकार द्वारा 50-50 प्रतिशत राशि से ओवरब्रिज निर्माण पर सहमति बनी। बावजूद इसके, 2022 में कुछ विकास विरोधी बिचौलियों के साथ मिलकर झामुमो नेताओं द्वारा पथ निर्माण विभाग को पत्र लिखकर निर्माण कार्य रुकवाने का काम किया गया।पूर्व विधायक ने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण के लिए उन्होंने रेल मंत्री से लेकर विधानसभा तक लगातार आंदोलन किया ।लेकिन झामुमो नेताओं ने केवल जनता को गुमराह किया।उनके प्रयासों से साहेबगंज से हावड़ा तक इंटरसिटी ट्रेन चली,दो-दो राजधानी ट्रेनों का ठहराव हुआ,साहिबगंज एवं राजमहल स्टेशन का सौंदर्यीकरण हुआ,वनांचल एक्सप्रेस में एलएचबी कोच लगाए गए और बोगियों की संख्या बढ़ाई गई।श्री ओझा ने कहा कि झामुमो के नेता विकास की बात करने के बजाय भय का वातावरण बना रहे हैं।जिले से तीन विधायक,एक सांसद और स्वयं मुख्यमंत्री होने के बावजूद पिछले छह वर्षों से इंजीनियरिंग कॉलेज मेडिकल कॉलेज और कृषि कॉलेज के निर्माण को लटकाया और भटकाया गया।यह सरकार केवल जनता को भ्रमित कर रही है।भाजपा ने स्पष्ट किया कि जब तक जनता के अधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली नहीं होगी,तब तक पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा।मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष सह निवर्तमान नप उपाध्यक्ष रामानंद साह ने किया।कार्यक्रम को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी,कृपानाथ मंडल,धर्मेन्द्र कुमार जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान शर्मा,युवा नेता प्रेमलाल मंडल,महिला मोर्चा अध्यक्ष गरिमा साह,युवा नेता मनोज तांती,वरिष्ठ नेता सुनील सिंह ने भी सम्बोधित किया।धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के जिला संयोजक सह जिला महामंत्री गौतम कुमार यादव ने किया।मौके पर मनोज पासवान,पंकज चौधरी,प्रमोद पांडेय,कमल महावर,संजीव पासवान, रंजन पांडेय,जयकांत वर्मा,गौतम पंडित,बबलू तिवारी,संजीव ओझा, मुकेश यादव,स्वेता श्रीवास्तव,सिंधु पांडेय,डॉली जी,ममता कुमारी,अवधेश यादव,बजरंगी गोप एवम अन्य उपस्थित रहे।

15 मई को रिलीज होगी हॉरर कॉमेडी भूत बंगला, डेट फाइनल

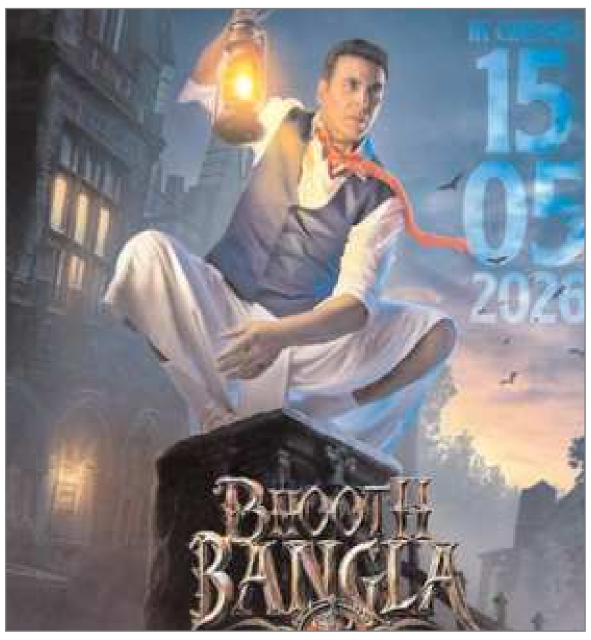

भूत बंगला इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फि ल्म 14 साल बाद हॉरर-कॉमेडी के बादशाह डायरेक्टर प्रियदर्शन और सुपरस्टार अक्षय कुमार की दमदार वापसी को दशार्ती है, एक ऐसा री-यूनियन जो जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। पहले पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही उत्साह सातवें आसमान पर था, और फिर आए दिलचस्प मोशन पोस्टर ने फि ल्म को लेकर पहले से बने जबरदस्त बज को और भी बढ़ा दिया। अब लंबे इंतजार के बाद फि ल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है, और यह मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

आज की सबसे बड़ी घोषणा के साथ उत्साह एक नए लेवल पर पहुँच गया है, भूत बंगला आधिकारिक तौर पर 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। रिलीज डेट के ऐलान ने दर्शकों की बेसब्री को और भी बढ़ा दिया है। हॉरर और कॉमेडी का परफेक्ट मेल, वो भी इस जॉनर के उस्ताद प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी के साथ, यह फि ल्म उस सिनेमाई जादू को दोबारा रचने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसकी कमी दर्शक लंबे समय से महसूस कर रहे थे।

रिलीज डेट की घोषणा करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर किया और कैप्शन लिखा–

बंगले से एक खबर आई है!

15 मई 2026 को खुलेगा दरवाजा

सिनेमाघरों में मिलते हैं

भूत बंगला को एक कंप्लीट एंटरटेनर बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी दमदार स्टारकास्ट है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, जिशु सेनगुप्ता, असरानी और वामिका गब्बी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फि ल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग राजस्थान, जयपुर और हैदराबाद में भी की गई है, जो कहानी को एक शानदार विजुअल अंदाज देती है। कई सालों बाद प्रियदर्शन की फि ल्म में इस पावरहाउस लाइनअप को एक साथ देखना अपने आप में जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करता है। इस लेजेंडरी कॉमेडी टीम की दोबारा वापसी के साथ दर्शक बड़े पर्दे पर एक और यादगार सिनेमाई अनुभव की पूरी उम्मीद कर सकते हैं।

प्रियदर्शन द्वारा डायरेक्टेड भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फि ल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फि ल्म को फारा शेख और वेदांत बाली द्वारा को- प्रोड्यूस किया गया है। इसकी कहानी आकाश ए. कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अभिलाष नायर और प्रियदर्शन द्वारा तैयार किया गया है। वहीं, रोहन शंकर ने इसके डायलॉग्स लिखे हैं। फि ल्म को एकता कपूर के बालाजी टेलीफि ल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

नूपुर सेनन की शादी के लिए उदयपुर पहुंचा परिवार, बॉयफ्रेंड संग नजर आईं कृति

एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन अब अपनी जिंदगी के नए अध्याय की शुरूआत करने जा रही हैं। नूपुर जल्द ही मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन संग शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। दोनों की शादी को लेकर काफी समय से चर्चाएं चल रही थीं और अब यह फैमिली रॉयल वेडिंग के लिए उदयपुर रवाना हो गई है।

11 जनवरी को उदयपुर में होगी शाही शादीः मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी 11 जनवरी को उदयपुर के आलीशान फेयरमोंट पैलेस होटल में संपन्न होगी। शादी से पहले की रस्में 9 जनवरी से शुरू हो जाएंगी। कपल और उनके परिवार के सदस्य बुधवार शाम करीब 6 बजे चार्टर फ्लाइट से उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पहुंचे, जहां ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। शादी के लिए उदयपुर पहुंचा सेनन परिवारः नूपुर की शादी में शामिल होने के लिए पूरा सेनन परिवार उदयपुर पहुंच चुका है। शादी के कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन भी पहुंची हैं। कृति को मुंबई के प्राइवेट एयरपोर्ट पर अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ स्पॉट किया गया। इसके बाद दोनों उदयपुर रवाना हुए। एयरपोर्ट पर कृति सेनन डेनिम जींस और ब्लैक ब्लेजर में स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं और उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए।एयरपोर्ट पर मंगेतर संग दिखीं नूपुरः मुंबई के कलिना एयरपोर्ट पर नूपुर सेनन अपने होने वाले पति स्टेबिन बेन के साथ नजर आईं। दोनों ने मुस्कुराते हुए मीडिया के सामने पोज दिए।

निजी अंदाज में होगी शादीः बता दें, नूपुर सेनन की शादी में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री से भी चुनिंदा मेहमानों को ही न्योता दिया गया है। कपल ने शादी को पूरी तरह निजी रखने का फैसला किया है, इसलिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं।

हालांकि, शादी के बाद इंडस्ट्री के दोस्तों और करीबी लोगों के लिए 13 जनवरी को मुंबई में एक भव्य रिसेप्शन पार्टी आयोजित की जाएगी।

रणवीर ने रचा इतिहास, भारतीय सिनेमा को दी अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

एक ऐसे उद्योग में जहां सफलता को आंकड़ों से मापा जाता है, कुछ ही पल ऐसे होते हैं, जब ये आंकड़े इतिहास बन जाते हैं। धुरंधर के साथ रणवीर सिंह ने ऐसा ही एक ऐतिहासिक पल रचा है, जब उन्होंने एक ही भाषा हिंदी में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का नेतृत्व किया। यह उपलब्धि सिर्फ अपने विशाल पैमाने के कारण नहीं, बल्कि अपनी यात्रा के कारण भी खास है। धुरंधर ने किसी क्षणिक उछाल पर भरोसा नहीं किया, बल्कि धीरे-धीरे मजबूत होती गई, अपनी पकड़ बनाए रखी और हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन करती रही।

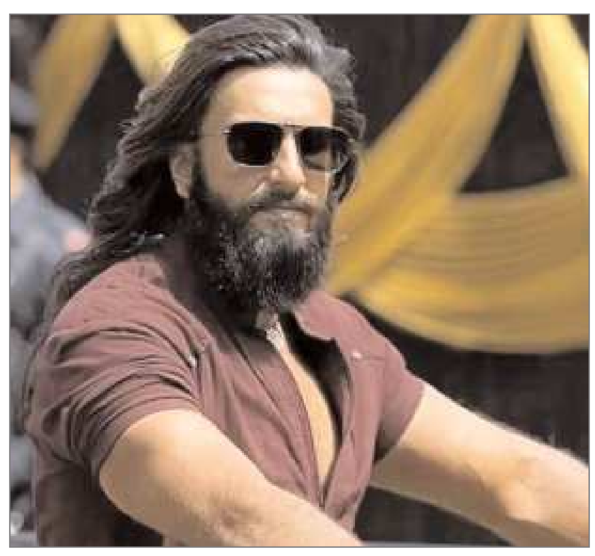

फिल्म ने अपने पांचवें मंगलवार (33वें दिन) को भारत में 831.40 करोड़ की नेट कमाई का आंकड़ा छू लिया, जो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक नया मील का पत्थर है। इस असाधारण सफलता के केंद्र में रणवीर सिंह का दमदार अभिनय है। उन्होंने बड़े कैनवास पर रचे गए इस किरदार में नियंत्रण, गहराई और स्पष्टता के साथ जान फूंकी है। उनकी मौजूदगी संतुलित होते हुए भी बेहद प्रभावशाली है, जो कहानी को भव्यता और भावनाओं के साथ आगे बढ़ने देती है। यही संतुलन फिल्म को हर वर्ग के दर्शकों से जोड़ता है और इसकी रफ्तार को बनाए रखता है। ट्रेड विश्लेषकों और दर्शकों दोनों से फिल्म को भरपूर सराहना मिली है। इसकी लगातार मजबूत कमाई इस बात का प्रमाण है कि दर्शक रणवीर सिंह पर कितना भरोसा करते हैं, न सिर्फ एक सुपरस्टार के तौर पर, बल्कि एक ऐसे कलाकार के रूप में जो हर किरदार में ईमानदारी और मजबूती लाता है।

मानहानि मामले में कंगना रनौत को बड़ा झटका

15 जनवरी को कोर्ट में नहीं हुई उपस्थित तो जाना पड़ सकता है जेल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत को हाल ही में मानहानि मामले में बड़ा झटका लगा है। बठिंडा कोर्ट ने साफ निर्देश दिया है कि कंगना को 15 जनवरी को हर हाल में अदालत के सामने पेश होना होगा। अगर वह तय तारीख पर पेश नहीं होती हैं, तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा सकता है, साथ ही उनकी जमानत भी रद्द हो सकती है।

इस मामले में शिकायतकर्ता बेबे महिंदर कौर के वकील रघुबीर सिंह बहनीवाल ने जानकारी दी कि कंगना रनौत की ओर से कोर्ट में पेशी से छूट के लिए आवेदन दिया गया था, लेकिन अदालत ने इस अर्जी को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में ही सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया था कि इस बार कंगना को किसी भी हालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा।

अगर तय तारीख पर पेशी नहीं होती है, तो अदालत गिरफ्तारी वारंट जारी करने के साथ-साथ उनकी बेल को भी निरस्त कर सकती है। कोर्ट का मानना है कि लगातार गैरहाजिरी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा बन रही है।

क्या है पूरा मामला? : यह विवाद साल 2021 का है, जब दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन चल रहा था। उसी दौरान कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (तब ट्विटर) पर एक बुजुर्ग महिला की तस्वीर शेयर करते हुए विवादित टिप्पणी की थी।

कंगना ने बठिंडा जिले के गांव बहादुरगढ़ जंडिया की रहने वाली 87 वर्षीय किसान बेबे महिंदर कौर को शाहीन बाग आंदोलन से जोड़ दिया था और पोस्ट में दावा किया था कि ऐसी महिलाएं पैसे लेकर धरनों में शामिल होती हैं। इस टिप्पणी को अपमानजनक बताते हुए महिंदर कौर ने कहा था कि इससे उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचा है।

महिंदर कौर ने इस टिप्पणी को मानहानि करार देते हुए कंगना रनौत के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कुछ समय पहले कंगना ने सुप्रीम कोर्ट में इस केस को रद्द करने की मांग की थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका को स्वीकार नहीं किया।

अब बठिंडा कोर्ट के सख्त रुख के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है और सभी की नजरें 15 जनवरी की सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

विक्की-कटरीना ने रखा बेटे का बेहद खास नाम, साथ ही शेयर की पहली झलक

बॉवीवुड एक्टर्स विक्की और कटरीना के घर 7 नवंबर 2025 को बेटे ने जन्म लिया। बी- टाउन के न्यू मॉम- डैड ने अभी तक अपने बेटे को लाइमलाइट से दूर रखा। कपल ने अब अपने न्यू बॉर्न बेबी की इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए नाम भी शेयर किया है। विक्की और कटरीना ने अपने बेटे का नाम विहान रखा है।

क्या है 'विहान' नाम का खास मतलब? : कपल ने अपने बेटे का नाम 'विहान कौशल' रखा है। संस्कृत में 'विहान' का अर्थ होता है 'सुबह की पहली किरण' या 'एक नई शुरूआत'। कटरीना और विक्की ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा हमारी रोशनी की किरण... हमारी दुआएं कबूल हो गईं। एक पल में हमारी दुनिया बदल गई। शब्दों से परे सिर्फ कृतज्ञता।

बॉलीवुड हस्तियों ने लुटाया प्यारः विहान के नाम का खुलासा होते ही बॉलीवुड सेलेब्स ने कपल को बधाइयां देना शुरू कर दिया है। परिणीति चोपड़ा, दीया मिर्जा, भूमि पेडनेकर और अहाना कुमरा जैसे सितारों ने कमेंट सेक्शन में प्यार बरसाया है। विक्की कौशल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया था कि पिता बनने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है और वह इस नए सफर का हर पल आनंद ले रहे हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में जैकलीन लगाएंगी ग्लैमर का तड़का

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आयोजन 9 जनवरी से 5 फरवरी तक किया जाएगा। मैच नवी मुंबई और वडोदरा में खेले जाएंगे। बीते वर्षों में यह लीग भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक प्रमुख मंच बनकर उभरी है, जहां बेहतरीन खेल के साथ बड़े स्तर का मनोरंजन और फैन एंगेजमेंट देखने को मिलता है। उद्घाटन समारोह से सीजन की शुरूआत होगी और पहले मैच से पहले जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, हाल के समय में अपने अंतरराष्ट्रीय अपीयरेंस से वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान बना रहीं जैकलीन फर्नांडिस महिला प्रीमियर लीग 2026 के उद्घाटन समारोह में हाई-वोल्टेज ग्लैमर जोड़ने के लिए तैयार हैं। अपनी शानदार स्टेज एनर्जी और लोगों से जुड़ाव के लिए पहचानी जाने वाली यह स्टार पहले से ही काफी उत्साह पैदा कर रही हैं। उनकी रिहर्सल जोरों पर चल रही है। वह किस गाने पर परफॉर्म करेंगी, इसे लेकर भी उत्सुकता बढ़ती जा रही है, और उनकी प्रस्तुति हढछ 2026 ओपनर की सबसे बड़ी झलकियों में से एक मानी जा रही है।

मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंधु

सात्विक और चिराग की जोड़ी भी जीती

एजेंसी/ कुआलालंपुरः चोटिल होकर लंबे समय बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु के साथ चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रांकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। हालांकि महिला युगल में दो जोड़ियां हारकर बाहर हो गईं। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधु ने वापसी पर बुधवार को 51 मिनट में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हरा दिया।

सिंधु अब आठवीं वरीय जापान की तोमोका मियाजाकी से खेलेंगी। सात्विक और चिराग की तीसरी वरीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा।

अफ्रीका में भी दिखा सूर्यवंशी का वैभव वनडे में 3-0 से जीती युवा ब्रिगेड

एजेंसी/ बनोनीः भारत ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका को तीसरे और आखिरी वनडे में 233 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने यूथ ओडीआई सीरीज क्लीन स्वीप की। भारत ने पहला और दूसरा मुकाबला भी जीता था। तीसरे वनडे में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज की शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट खोकर 393 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम शुरूआती झटकों से उबर नहीं सकी और 35 ओवर में ऑलआउट हो गई। 394 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम ने तीसरे ओवर में दो विकेट गंवा दिए। जोरिख वान स्कालक्वेक पांच गेंद में एक और लेथाबो फाहला मोहलाका खाता भी नहीं खोल सके। कप्तान मुहम्मद

बुलबुलिया 4 गेंद में 4 रन ही बना सके। अदनान लगादीन 12 गेंद में 9 रन बनाकर आउट हुए। जेसन 21 गेंद में 19 रन ही बना सके।

अमब्रिश ने डेनियल को आउट करके साझेदारी तोड़ी। उन्होंने 60 गेंद में 40 रन बनाए। जेम्स ने 49 गेंद में 41 रन की पारी खेली। यूथ ओडीआई सीरीज में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा मुकाबला बुधवार को बेनोनी में खेला गया। भारत ने तीसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरूआत की। भारत को कप्तान वैभव सूर्यवंशी के रूप में पहला झटका लगा। वैभव 74 गेंद में 127 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 10 छक्के लगाए। वैभव और आरोन के बीच पहले विकेट के लिए 154 गेंद में 227 रन की साझेदारी हुई। आरोन जॉर्ज 106 गेंद में 118 रन बनाकर आउट हुए। वेदांत 43 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। हरवंश रन आउट हुए। अभिज्ञान कुंडू ने 20 गेंद में 21 रन बनाए। कनिष्क 10 और एम्ब्रिश 8 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए एन सोनी ने तीन विकेट लिऐ। जेसन राउल्स को दो विकेट मिले। माइकल कुइस्काम्प ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल

सत्ता को साथ आए भाजपा-कांग्रेस और एआईएमआईएम कुछ ही घंटे में हुए अलग

एजेंसी/ मुंबईः महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के नतीजों के बाद एक अजीबोगरीब राजनीतिक स्थिति पैदा हो गई है। राज्य में एक-दूसरे के धुर विरोधी दल भाजपा, कांग्रेस और एआईएमआईएम सत्ता के लिए एक साथ आ गए। अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा ने कांग्रेस-एनसीपी से हाथ मिलाया। वहीं, अकोला जिला के अकोट नगर परिषद में भाजपा ने असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया। हालांकि ये गठबंधन कुछ ही घंटों में टूट गया। इस घटनाक्रम ने न केवल महायुति गठबंधन में दरार डाल दी, बल्कि राज्य की राजनीति में नैतिकता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त रुख अपनाते हुए इन अप्राकृतिक गठबंधनों को तुरंत खत्म करने का निर्देश दिया।

साथ ही उन्होंने पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। वहीं अब कांग्रेस ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। कांग्रेस ने गठबंधन के दम पर जीते अपने 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया। बता दें कि अंबरनाथ नगर परिषद में एकनाथ शिंदे की पार्टी का खेल बिगाड? के लिए दोनों दल साथ आए थे, लेकिन ये समीकरण ज्यादा नहीं टिक पाया। अब कांग्रेस ने अंबरनाथ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को सस्पेंड किया है। बीजेपी के साथ स्थानीय स्तर पर अलायंस करने के लिए उन पर एक्शन हुआ है। स्थानीय युनिट को भी भंग कर दिया गया है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने अंबरनाथ से जीते सभी 12 पार्षदों को भी सस्पेंड कर दिया है।

नई दिल्ली में पुलिस- एमसीडी टीम पर पत्थरबाजी, पांच घायल

, 3,लीड

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी में बुलडोजर एक्शन के दौरान देर रात हुए हंगामे को लेकर बवाल थमता नहीं दिख रहा है। यह मामला रामलीला मैदान इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान सामने आया। अदालत के आदेश पर दिल्ली नगर निगम की टीम मस्जिद और पास के कब्रिस्तान से सटी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची थी। इसी दौरान हिंसा भडक गई और कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया, जिससे पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। ड्ढ्रहसक झड़पों के बाद 10 लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज

किया है। इसमें समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी का नाम भी सामने आ रहा। पुलिस ने बताया कि एमसीडी ने बुलडोजर से बारात घर, डायग्नोस्टिक सेंटर, दुकानों को ढहाया।

इस दौरान भीड़ ने कर्मचारियों और पुलिस पर पथराव किया। भीड़ बैरिकेडिंग तोड़ कर कार्रवाई

- फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर भड़की हिंसा
- पथराव के बाद पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, 10 हिरासत में

रोकने पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोडकर उसे खदेड़ा। हंगामा करने वालों ने एमसीडी कर्मियों और पुलिसकर्मियों पर कांच की बोतलें फेंकीं, जिससे कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। एमसीडी के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विध्वंस अभियान के दौरान सैयद फैज इलाही मस्जिद को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस अभियान के तहत अतिक्रमण और फिर मलबे को हटाने के लिए लगभग 30 बुलडोजर और 50 डंपर तैनात किए गए थे।

हिजाब विवाद की वजह से चर्चा में आईं नुसरत ने 23 दिन बाद जॉइन की नौकरी

पटनाः हिजाब विवाद की वजह से पूरे देश में सुर्खियों में आईं आयुष डाक्टर नुसरत परवीन ने आखिरकार 23 दिन बाद बिहार सरकार में अपनी नौकरी जॉइन कर ली है। मेडिकल जांच पूरी करने के बाद उन्होंने औपचारिक रूप से जॉइन किया। इसकी पुष्टि सिविल सर्जन डा. अविनाश कुमार सिंह ने की। नुसरत के जॉइन करने के साथ ही पिछले तीन हफ्तों से चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने शुरू में नुसरत परवीन के जॉइन करने की आखिरी तारीख 20 दिसंबर तय की थी। बाद में इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर और फिर सात जनवरी कर दिया गया। इसलिए सात जनवरी नुसरत के लिए नौकरी जॉइन करने का आखिरी मौका था। इस बीच छह जनवरी को नुसरत परवीन की मेडिकल जांच हुई और मेडिकल फिटनेस रिपोर्ट मिलने के बाद उन्होंने सभी औपचारिकताएं पूरी कर विभाग जॉइन कर लिया।

आतंक के खिलाफ दृढ़ता से लड़ते रहेंगे भारत-इजरायल, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बात कर दोहराया संकल्प

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की है। पीएम मोदी ने उन्हें और इजरायल की जनता को नए साल की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान क्षेत्रीय हालात पर भी विचार-विमर्श हुआ और आतंकवाद के खिलाफ साझा संकल्प को दोहराया गया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल आतंकवाद के खिलाफ मिलकर और ज्यादा मजबूती से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को नए आयाम देने के लिए वर्ष 2026 में कई अवसर हैं। इस बातचीत की जानकारी पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए दी।

पीएम मोदी ने लिखा कि अपने मित्र, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके मुझे बहुत खुशी हुई और मैं उन्हें और इजरायल की जनता को नववर्ष की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। हमने आने वाले वर्ष में भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने लिखा कि हमने क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया और आतंकवाद से और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प की पुष्टि की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने श्री मोदी को गाजा शांति योजना के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। श्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में प्रयासों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का निधन

अमेरिका में स्कीइंग हादसे के बाद कार्डियक अरेस्ट 49 वर्ष की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क : वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के 49 वर्षीय पुत्र अग्निवेश अग्रवाल का निधन हो गया। वे अमेरिका में स्कीइंग के दौरान हुए हादसे में घायल हो गए थे और न्यूयॉर्क के माउंट साइनाई अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिजन और शुभचिंतक उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन इलाज के दौरान अचानक कार्डियक अरेस्ट आने से उनका देहांत हो गया। अनिल अग्रवाल ने अपने भावुक संदेश में कहा कि बेटे की अर्थी को कंधा देना एक पिता के लिए सबसे बड़ा दुःख है। उन्होंने बताया कि 3 जून 1976 को पटना में जन्मे अग्निवेश एक मध्यमवर्गीय बिहारी परिवार में पले-बढ़े। बचपन से ही वे चंचल, मिलनसार और हमेशा मुस्कुराने वाले थे। अपनी मां के दुलारे अग्निवेश दोस्तों के बीच बेहद लोकप्रिय थे और बहन प्रिया को लेकर हमेशा बेहद संवेदनशील और सुरक्षात्मक रहे। अग्निवेश ने मायो कॉलेज, अजमेर से शिक्षा प्राप्त की। उनकी शख्सियत बहुआयामी थी–वे बॉक्सिंग चैंपियन रहे, घुड़सवारी के शौकीन थे और संगीत में भी गहरी रुचि रखते थे। उन्होंने फुजैराह गोल्ड जैसी कंपनी खड़ी की और हिंदुस्तान जिंक के चेयरमैन के रूप में भी जिम्मेदारी निभाई।

व्यवसायिक उपलब्धियों के बावजूद अग्निवेश सरल, जमीन से जुड़े और इंसानियत से भरपूर व्यक्तित्व के धनी थे। वे साथ काम करने वालों और मित्रों के बीच ही रहना पसंद करते थे और जिससे भी मिलते, उसे अपना बना लेते थे। अनिल अग्रवाल ने कहा कि अग्निवेश सिर्फ बेटा नहीं, बल्कि उनके दोस्त, गर्व और पूरी दुनिया थे। अनिल और किरण अग्रवाल ने अपने बेटे के साथ देखे सपनों को साझा करते हुए कहा कि उनका और अग्निवेश का सपना भारत को आत्मनिर्भर बनाना था। वे चाहते थे कि देश का कोई बच्चा भूखा न सोए, कोई अनपढ़ न रहे, हर महिला आत्मनिर्भर बने और युवाओं को रोजगार मिले। अनिल अग्रवाल ने दोहराया कि वे अपनी आय का 75 प्रतिशत से अधिक समाजसेवा में लगाने के अपने संकल्प पर अडिग रहेंगे और शेष जीवन सादगी व सेवा में समर्पित करेंगे। परिवार ने उन सभी मित्रों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया है जो इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि भले ही अग्निवेश अब उनके बीच नहीं हैं,

राजकोट से सोमनाथ के लिए चार दिन की स्पेशल ट्रेन शुरू, हर हर महादेव से गूंजा स्टेशन परिसर

राजकोट : सौराष्ट्र में आस्था का आध्यात्मिक केंद्र सोमनाथ महादेव मंदिर, मंदिर के नवीनीकरण के 75 साल और ऐतिहासिक हमलों के 1,000 साल पूरे होने पर एक भव्य स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। भक्तों की सुविधा के लिए राजकोट से चार दिन की स्पेशल ट्रेन सेवा गुरुवार से शुरू की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने जाएंगे। ट्रेन रवाना होते ही स्टेशन पर लोग झूमने लगे और हर-हर महादेव के नारे से पूरा स्टेशन परिसर गूंज उठा। भाजपा नेता माधव दवे ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, सोमनाथ में एक भव्य और शानदार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। बारह ज्योतिर्लिंगों में पहले सोमनाथ महादेव को सभी पूजते हैं। सोमनाथ मंदिर के नवीनीकरण और पुनर्निर्माण को 75 साल हो गए हैं और मंदिर पर हुए ऐतिहासिक हमले को 1,000 साल बीत गए हैं, जो हिंदू आस्था पर हमला था। एक यात्री ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हम महादेव का आशीर्वाद लेने के लिए राजकोट से सोमनाथ जा रहे हैं। यह मेरे लिए बहुत ही निजी अनुभव है और मैं बहुत उत्साहित हूं कि मुझे मंदिर में महादेव के सीधे दर्शन करने का मौका मिलेगा। हम बहुत पहले से प्लान बना रहे थे, लेकिन जा नहीं पा रहे थे। अब जा रहे हैं। सौराष्ट्र के तट पर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम सोमनाथ महादेव मंदिर भारतीय सभ्यता और आस्था का शाश्वत प्रतीक है। वर्ष 2026 में मंदिर पर हुए पहले बड़े आक्रमण (महमूद गजनवी द्वारा जनवरी 1026 में) के ठीक 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। साथ ही स्वतंत्र भारत में मंदिर के पुनर्निर्माण (11 मई 1951) के 75 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। इन दो ऐतिहासिक पड़ावों के उपलक्ष्य में प्रभास पाटन में भव्य सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है, जो पूरे वर्ष चलेगा। मुख्य कार्यक्रम 8 से 11 जनवरी तक आयोजित किए जा रहे हैं। इस पर्व का उद्देश्य हिंदू आस्था पर हुए हमलों की स्मृति और बार-बार पुनरुत्थान की गाथा को याद करना है। वहीं, भक्तों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जिसमें चार दिनों की स्पेशल ट्रेन सेवाएं शामिल हैं। कार्यक्रमों में 72 घंटे निरंतर ओंकार नाद, शंखनाद, भक्ति संगीत, लोक नृत्य और 3000 ड्रोनों का भव्य शो शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को सोमनाथ पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगे और कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

टैरिफ की कमाई से रक्षा बजट बढ़ाने की तैयारी में अमेरिका

ग्रीनलैंड पर ट्रंप के बयान से सियासी बहस तेज

वाशिंगटन : वेनेजुएला से जुड़े ताजा हालातों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के रक्षा बजट को 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। वहीं ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की टिप्पणियों से वॉशिंगटन में राष्ट्रीय सुरक्षा, नाटो और कूटनीति को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह वित्त वर्ष 2027 के लिए रक्षा बजट को 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना चाहते हैं। उनका कहना है कि मौजूदा वैश्विक हालात में अमेरिका की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बढ़ोतरी जरूरी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर बताया कि यह फैसला सीनेटरों, कांग्रेस सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के बाद लिया गया है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बजट 1 ट्रिलियन डॉलर नहीं बल्कि 1.5 ट्रिलियन डॉलर होना चाहिए। राष्ट्रपति के मुताबिक इस अतिरिक्त खर्च से अमेरिका एक अत्यंत मजबूत सैन्य शक्ति तैयार कर सकेगा, जो किसी भी दुश्मन से देश की रक्षा करने में सक्षम होगी। उन्होंने इस बढ़ोतरी को अन्य देशों पर लगाए गए टैरिफ से होने वाली आय से जोड़ा।

ट्रंप ने कहा कि यदि टैरिफ से इतनी अधिक कमाई नहीं होती तो रक्षा बजट को 1 ट्रिलियन डॉलर तक ही सीमित रखा जाता। उन्होंने दावा किया कि पहले कई देशों ने अमेरिका का आर्थिक रूप से शोषण किया। अपने बयान में ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के नेतृत्व वाली सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उस दौरान सरकारी राजस्व काफी कम था, हालांकि इसके समर्थन में कोई आंकड़े पेश नहीं किए गए।

ट्रंप ने यह भी कहा कि सैन्य बजट में भारी बढ़ोतरी के बावजूद

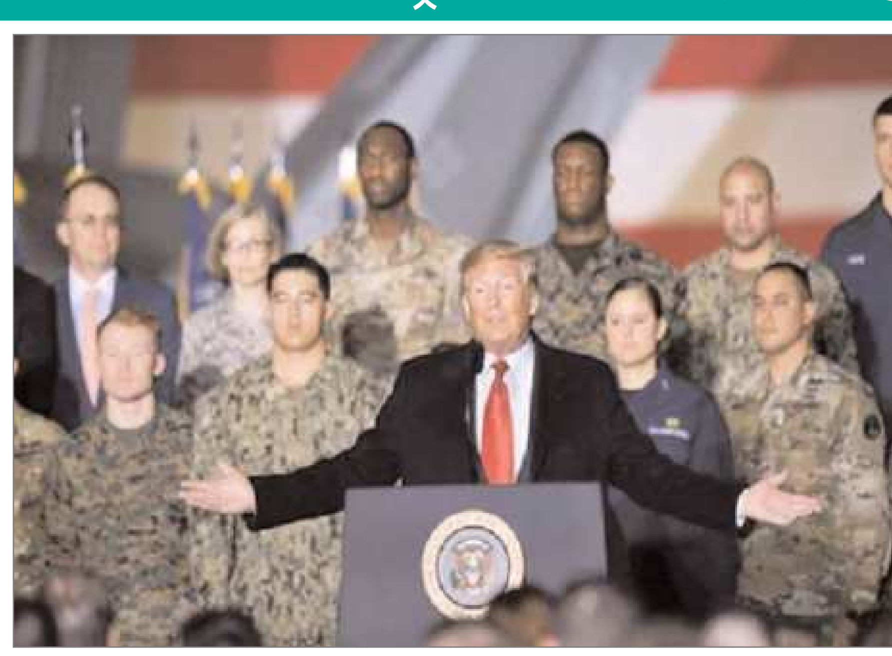

अमेरिका अपने कर्ज को कम करने में सक्षम रहेगा और सरकार मध्यम आय वर्ग के देशभक्त नागरिकों को लाभांश देने की स्थिति में भी होगी।

हालांकि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि 1.5 ट्रिलियन डॉलर की राशि किन मदों में और किस तरह खर्च की जाएगी, न ही यह बताया कि कांग्रेस से इस बड़े बजट को मंजूरी कैसे मिलेगी। गौरतलब है कि अमेरिका का रक्षा बजट पहले ही दुनिया में सबसे अधिक है। ऐसे में इसे और बढ़ाने के फैसले पर घाटे और घरेलू जरूरतों को लेकर कांग्रेस में तीखी बहस तय मानी जा रही है। चीन और रूस के साथ बढ़ता तनाव, यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की अस्थिरता के कारण अमेरिका में रक्षा खर्च पर चर्चा लगातार तेज हो रही है। इसी बीच ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की टिप्पणियों ने अमेरिकी राजनीति में हलचल मचा दी है। प्रशासन इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बता रहा है, जबकि कई सांसद कूटनीति, नाटो सहयोग और आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति पर सवाल उठा रहे हैं। व्हाइट हाउस की ब्रीफिंग में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ग्रीनलैंड को अमेरिका द्वारा हासिल करने का विषय राष्ट्रपति और राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के बीच सक्रिय चर्चा में है। उन्होंने इसे आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की गतिविधियों से जोड़ते हुए कहा कि राष्ट्रपति की प्राथमिकता कूटनीति ही है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से ही ग्रीनलैंड को लेकर बात करते रहे हैं और यह कोई नया विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि हर अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों से निपटने के लिए सभी विकल्प खुले रखता है, हालांकि अमेरिका सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक समाधान को तरजीह देता है। कांग्रेस में इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सीनेटर लिसा मर्कोव्स्की और एंगस किंग ने बल प्रयोग के संकेतों के खिलाफ चेतावनी दी, जबकि डेमोक्रेट सांसद पीट एगुइलर और टेड लियू ने नाटो सहयोगी को धमकाने और सैन्य कार्रवाई को अवैध बताया।

हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड को लेकर किसी तरह के युद्ध का कोई इरादा नहीं है। कई सांसदों ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ अमेरिका के पुराने सहयोग को भी रेखांकित किया। ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है और अमेरिका दशकों से यहां पिटुफिक स्पेस बेस के जरिए सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है, जो मिसाइल चेतावनी और अंतरिक्ष निगरानी में अहम भूमिका निभाता है।

गौरतलब है कि वेनेजुएला पर हमले के बाद ट्रंप ने कहा था कि सुरक्षा कारणों से उन्हें ग्रीनलैंड की जरूरत है। इसी बीच ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर की पत्नी कैटी मिलर ने सोशल मीडिया पर ग्रीनलैंड की एक तस्वीर साझा की, जिसमें उसे अमेरिकी झंडे में दिखाते हुए ह्यजल्दह्व लिखा गया। इस पोस्ट पर डेनमार्क ने कड़ी आपत्ति जताई है।

न्यूज IN ब्रीफ

मरीज के परिजन ने डॉक्टर से किया मारपीट

सिमडेगा : सिमडेगा सदर अस्पताल में बवाल, मरीज के परिजन ने डॉक्टर से किया मारपीट। प्राप्त जानकारी के अनुसार काल रात लगभग 10 बजें कुछ लोगों ने एक मरीज को बेहोशी का हालत में सदर अस्पताल लेकर आए थे लेकिन जब डॉक्टर बिनय किंडो ने मरीज का इलाज करना शुरू किया तो किसी कारण को लेकर मरीज का एक परिजन ने डॉक्टर बिनय किंडो को मारना शुरू कर दिया जिसमें डाक्टर बिनय किंडो का कपड़ा फट गया, रात को सदर पुलिस को खबर मिलने पर सदर पुलिस ने अस्पताल पहुंच कर भाग रहे दो आदमी को पकड़ लेने की सुचना है, डाक्टर बिनय किंडो का बोलना है कि रात को बेहोशी का हालत में आए एक मरीज को हम देख रहे थे तब नशें की हालत में एक आदमी ने मुझे मारना शुरू कर दिया में अपना परिचय भी दिया लेकिन वह आदमी सुनने की हालत में नहीं था।

जिले में 12 जनवरी तक चलेगा नशा मुक्ति अभियान

जमशेदपुर : नालसा और झालसा के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम जिले में 12 जनवरी तक नशा उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डालसा के सचिव कुमार शौरव त्रिपाठी ने मंगलवार को न्याय सदन में आयोजित प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में नशा उन्मूलन अभियान 5 जनवरी से शुरू किया गया है। अभियान के अंतर्गत मंगलवार को बिष्टूपुर के पीएम मॉल, टाटानगर स्टेशन, करनडीह सहित अन्य स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। विधिक सचिव ने बताया कि 7 जनवरी को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पीएलवी द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों में नशा मुक्ति विषय पर लेखन और चित्रांकन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सरकार के विभिन्न विभागों का सहयोग मिल रहा है। नशे की लत के शिकार चिन्हित लोगों को नशा मुक्ति केंद्र भेजकर सुधार की पहल की जाएगी, क्योंकि वर्तमान में युवा वर्ग नशे का सबसे अधिक शिकार हो रहा है।

18 दिनों से धरना पर डटें है डोमगढ़ के लोग

सिंदरी : बेदखली अभियान के विरोध में डोमगढ़ बचाओ मोर्चा का धरना 18 वें दिन बुधवार को भी जारी रहा। इस कड़ाके ठंड में भी डोमगढ़ वासियों का मनोबल सातवें आसमान पर है। डोमगढ़ के लोगों का स्पष्ट कहना है कि किसी भी हालत में डोमगढ़ से नहीं हटेंगे। लोगों का कहना है कि यहां पिछले सात दशक से रहते आ रहे हैं। सिंदरी खाद कारखाना के निर्माण काल से इस क्षेत्र में रहते आ रहे हैं। यहां के बाद पूरे टाउनशिप का निर्माण हुआ है। लेकिन विडंबना है कि एफसीआई प्रबंधन यहां के लोगों को बेघर करने को लेकर आमादा है।

सरकार सेल के टासरा प्रोजेक्ट के विस्तारीकरण के लिए सैकड़ों परिवारों को हटाने का साजिश किया जा रहा है। बृजलाल साव, नग नारायण भारती, जोगेंद्र सिंह, जगन्नाथ साव, अमित पटेल, सत्येंद्र सिंह, नसरुद्दीन खान, सुग्रीव द्विवेदी, रामाशंकर यादव, बदरुद्दीन खान, कल्पना बाउरी, कुंती देवी, गंगा देवी, फातिमा खातून, मोनी मंडल आदि मुख्य रूप से थें।

पूर्वी सिंहभूम प्रथम साहित्य उत्सव कल से, शामिल होंगे राष्ट्रीय स्तर साहित्यकार

जमशेदपुर : जिला प्रशासन की ओर से पूर्वी सिंहभूम प्रथम साहित्य उत्सव का आयोजन शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। गोपाल मैदान में यह तीन दिनों तक चलेगा। प्रतिदिन 10 से छह बजे तक इसका आयोजन होगा। इसमें राष्ट्रीय स्तर के नामचीन साहित्यकार शामिल होंगे। इस दौरान कई बुक स्टॉल लगाये जाएंगे। संवाद सत्र आयोजित होंगे, प्रदर्शनी आयोजित होगी, कहानियों का पाठ होगा और वहीं पर चित्रांकन होगा एवं सांस्कृतिक कार्यकम होंगे। कार्यक्रम के आरंभ में जनजातीय नृत्य से पारंपरिक ढंग से अतिथियों का स्वागत होगा। लोहे का आदमी और लोहारिन नाटक प्रस्तुत किया जाएगा। स्थानीय छऊ नृत्य कला की प्रस्तुति दी जाएगी और जनजातीय खेल की प्रस्तुति होगी।

सारंडा के गंगदा पंचायत में पेयजल संकट पर फूटा जनआक्रोश

गुवा : नक्सल प्रभावित सारंडा क्षेत्र के गंगदा पंचायत में वर्षों से चला आ रहा पेयजल संकट अब उग्र जनआक्रोश में बदल गया है। पंचायत के 14 गांवों के हजारों ग्रामीण पिछले आठझनौ साल से बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं, जबकि सरकारी कागजों में करोड़ों रुपये की जलापूर्ति योजनाएं पूरी दिखा दी गई हैं। इसको लेकर गंगदा गांव में मुंडा जोगो सुरीन और पंचायत मुखिया राजू शांडिल की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि 15 दिनों के भीतर सभी गांवों में पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक पानी नहीं पहुंचाया गया, तो एनएच-33 स्थित सलाई चौक को अनिश्चितकाल के लिए जाम कर दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने कहा कि इससे पहले भी कई बार आंदोलन और सड़क जाम किए गए, लेकिन हर बार प्रशासन, विभाग और संवेदक ने झूठे आश्वासन देकर आंदोलन तुड़वा दिया। मुखिया राजू सांडिल ने आरोप लगाया कि संवेदक हर आंदोलन के बाद केवल दिखावटी सक्रियता दिखाता है। जगह-जगह पाइप गिरा दिए गए हैं, जो महीनों से यूं ही पड़े हैं। न बिछाव हुआ, न कनेक्शन दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार यह विकास नहीं, बल्कि खुली धोखाधड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2017-18 में मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के तहत हर घर नल, हर घर जल का वादा किया गया था। लगभग 15 करोड़ रुपये की योजना की पूरी राशि निकाल ली गई, लेकिन आज भी अधिकांश गांवों में न पाइपलाइन है, न नल, न चापाकल और न डीप बोरिंग। गर्मी के मौसम में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग मीलों दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सड़क जाम होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मनोहरपुरझचक्रधरपुर प्रमंडल और संबंधित ठेकेदार की होगी।

उपायुक्त ने किया सरकारी योजनाओं का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को सरैयाहाट निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारीडीह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक दवाओं की कमी तथा विभिन्न जांच किटों की अनुपलब्धता पाई गई। इस पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी, एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट के फार्मासिस्ट को शो कॉज करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएचसी सरैयाहाट के फार्मासिस्ट का मानदेय स्थगित करने का भी निर्देश दिया गया। इन मामलों में समुचित ध्यान नहीं दिए जाने पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने सरैयाहाट की प्रभारी प्रभा रानी के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

बाल विकास परियोजना कार्यालय सरैयाहाट के निरीक्षण के दौरान रोकड़ बही अद्यतन नहीं पाए जाने पर नजीर को शो कॉज करने एवं मानदेय रोकने का निर्देश दिया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त परिसंपत्तियों का योग्य लाभुकों के बीच समय पर वितरण नहीं होने पर सीडीपीओ को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

बभनखेता गांव के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से बातचीत में कम अनाज वितरण की शिकायत मिलने पर संबंधित

पीडीएस डीलर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया।

मनरेगा कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर रोजगार सेवक से स्पष्टीकरण मांगा गया।इस दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी पंचायत में कोई भी चापाकल खराब नहीं रहना चाहिए तथा पेयजल की समस्या किसी भी परिस्थिति में उत्पन्न न हो, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

इसके अतिरिक्त प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय के कर्मियों के लॉग बुक एवं अन्य अभिलेखों का निरीक्षण किया गया। पाई गई त्रुटियों में सुधार के निर्देश देते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सभी लॉग बुक एवं पंजी नियमित रूप से अद्यतन रखें। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर सभी लॉग बुक एवं पंजी अद्यतन करने का निर्देश दिया, अन्यथा संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इसी क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा के निदेर्शानुसार सरैयाहाट प्रखंड अंतर्गत 15 पंचायतों में नामित वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न पंचायतों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी कर्मवीर प्रसाद मेहता द्वारा बभनखेता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सौरभ कुमार द्वारा बरमानिया, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल विजय कुमार अग्रवाल द्वारा चंदूबथान, परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार द्वारा धौनी, अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार द्वारा गादीझोपा, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार द्वारा हंसडीहा, भूमि सुधार उपसमाहर्ता अब्दुस समद द्वारा कनकी, अवर निबंधक सौरभ वर्मा द्वारा केंदुआ, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार द्वारा कोरदाहा, कार्यपालक पदाधिकारी ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल असीम बिरुआ द्वारा मंडल डीह, कोषागार पदाधिकारी सर्वजीत कुमार द्वारा माथाकेशो, सहायक समाहर्ता नाजिश अंसारी द्वारा मटिहानी, जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम कुमार मोदी द्वारा नावाडीह, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अभिषेक कुमार दीप द्वारा पथरा तथा कार्यपालक दंडाधिकारी विनीत कुमार द्वारा रक्सा पंचायत का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पंचायतों में जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों को निर्धारित मात्रा एवं गुणवत्ता का राशन समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं, इसका जायजा लिया गया। पंचायत भवनों में कर्मियों की उपस्थिति पंजी एवं कार्य निष्पादन की स्थिति की जांच की गई। सरकारी विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं, शैक्षणिक वातावरण, मध्यान्ह भोजन एवं साफ-सफाई की समीक्षा की गई। आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजी संधारण, बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार आदि का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त 15वीं वित्त आयोग अंतर्गत संचालित योजनाओं, मनरेगा एवं आवास योजना के तहत स्वीकृत व पूर्ण कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

अवैध पत्थर खनन के खिलाफ छापेमारी के दौरान टीम पर हमला, सीओ से धक्का-मुक्की

जमशेदपुर : पटमदा की ठनठनी घाटी से अवैध पत्थर खनन एवं परिवहन के आरोप में पत्थर लदा ट्रैक्टर जब्त कर थाना ला रही टीम पर बुधवार की सुबह स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। टीम में शामिल चौकीदार सनातन सिंह व सुरेश हांसदा के साथ मारपीट करते हुए हमलावर ट्रैक्टर को छुड़ा ले गए। इस दौरान चालक के अलावा 2 मजदूर भी फरार हो गए। ट्रैक्टर के पीछे-पीछे चल रहे नेतृत्वकर्ता पटमदा के अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास के साथ दुर्व्यवहार एवं धक्का-मुक्की की गई। करीब आधे घंटे बाद पहुंची पटमदा पुलिस को देखकर सभी लोग भाग निकले। दोबारा खनन स्थल के पास पुलिस के साथ अंचलाधिकारी ने सघन छापेमारी की तो ट्रैक्टर या अन्य लोगों के बारे में पता नहीं चला।

अंचलाधिकारी ने ट्रैक्टर चालक का मोबाइल जब्त कर लिया है। यह घटना टाटा-पटमदा मुख्य सड़क पर बामनी गांव के पास हुई। अंचलाधिकारी ने हमलावरों की पहचान बामनी निवासी एवं भाजपा के पटमदा मंडल अध्यक्ष बासुदेव मंडल, उनके भाई दिवाकर मंडल एवं बामनी गांव निवासी आसमान सिंह के रूप में की है। जबकि इस घटना में 3 अन्य लोगों के भी शामिल होने की बात बताई गई है। अंचलाधिकारी ने बुधवार को पटमदा थाने में 6 लोगों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, उनके साथ दुर्व्यवहार करने एवं अवैध तरीके से पत्थर खनन करने व परिवहन करने तथा छापेमारी में शामिल चौकीदारों के साथ मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में पटमदा थाने में 3 नामजद एवं 3 अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना प्रभारी करमपाल भगत ने बताया कि मामले की शिकायत अंचलाधिकारी से मिली है और प्राथमिकी दर्ज करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इधर, इस संबंध में भाजपा नेता बासुदेव मंडल ने बताया कि अंचलाधिकारी ने उनके खिलाफ झूठे आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है, उनका राजनीतिक करियर प्रभावित करने के लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर वे नहीं थे, वे अपने घर पर थे। सीओ ने पटमदा थाना प्रभारी को दिया आवेदन, केस दर्ज

अंचलाधिकारी ने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना पर सुबह छापेमारी में उन्होंने अवैध पत्थर से लदे ट्रैक्टर को बामनी चौक के आगे ठनठनी घाटी की ओर से आते पकड़ा। उनके साथ दो चौकीदार सनातन सिंह एवं सुरेश हांसदा मौजूद थे। ट्रैक्टर को रुकवा कर चालक से पूछताछ की गई और उसका मोबाइल जब्त कर लिया गया। इस बीच ट्रैक्टर पर सवार दो मजदूर मौका पाकर भाग गए। अंचलाधिकारी ने दोनों चौकीदारों को ट्रैक्टर में बैठकर थाना ले जाने का आदेश दिया तथा पीछे-पीछे चलने लगे। बामनी चौक के पास ट्रैक्टर चालक ने दूसरी दिशा में ट्रैक्टर को मोड़ दिया। इस बीच 5- 6 लोग इकट्ठा हो गए और गाड़ी छोड़ने की जिद करने लगे। अंचलाधिकारी ने गाड़ी को थाना में ले जाकर रखने को कहा। इसके बाद बामनी चौक से 500 मीटर की दूरी पर पीछे से तीन मोटरसाइकिल पर 6 लोग लाठी-डंडा लिए पहुंचे व ट्रैक्टर को रुकवा दिया। चौकीदारों पर लाठी से वार करने लगे। इस बीच अंचलाधिकारी घटनास्थल पहुंचे तो चौकीदारों को धमकाया जा रहा था। अंचलाधिकारी के प्रतिरोध पर धक्का-मुक्की कर रोड किनारे ले जाया गया और रोक कर रखा गया। इस बीच चौकीदार भी किनारे हो गए। मौका पाते ही ट्रैक्टर चालक गाड़ी लेकर भाग निकला। घटना की जानकारी उन्होंने तुरंत थाना प्रभारी को दी। आधे घंटे बाद फोर्स आने के बाद क्षेत्र में सघन छापामारी की गई, पर किसी का पता नहीं चला। अंचलाधिकारी ने 6 में से तीन की पहचान कर ली है। इनमें बामनी निवासी आसमान सिंह, बासुदेव मंडल एवं दिवाकर मंडल हैं। अंचल अधिकारी द्वारा लिखित आवेदन थाना प्रभारी को दिया गया। साथ ही ट्रैक्टर चालक का जब्त मोबाइल भी सौंपा गया। उक्त लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

सिदगोड़ा पुलिस की कस्टडी से फरार आरोपी आठ माह बाद गिरफ्तार

जमशेदपुर : सिदगोड़ा थाना परिसर से 12 मई 2025 में पुलिस कस्टडी से फरार आरोपी मोहित सिंह को पुलिस ने मंगलवार को आठ माह बाद गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई न्यायालय परिसर के बाहर उस समय की गई, जब आरोपी अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में प्रस्तुत होने पहुंचा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे सिदगोड़ा थाना ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी बिरेंद्र कुमार के अनुसार, मोहित सिंह के खिलाफ सिदगोड़ा थाना में आर्म्स एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। हालांकि, पोक्सो के मामले में वह जमानत पर है और आर्म्स एकट के मामले उसपर चल रहे हैं। मार्च 2025 में पुलिस ने सिदगोड़ा क्रॉस रोड नंबर-2 इलाके में छापेमारी कर अंशु चौहान को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान अंशु चौहान से मिली अहम जानकारियों के आधार पर पुलिस की जांच आगे बढ़ी। जांच में सामने आया कि मोहित सिंह ने अपने कब्जे वाले क्वार्टर में अंशु चौहान को किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से पनाह दी थी। इसके बाद 12 मई 2025 में पुलिस ने मोहित सिंह को गिरफ्तार किया था, लेकिन गिरफ्तारी के कुछ समय बाद ही वह थाना परिसर से फरार हो गया था। फरारी के बाद से पुलिस लगातार उसकी तलाश में छापेमारी कर रही थी। मंगलवार को न्यायालय परिसर में सादी वर्दी में तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे पहचान लिया और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, पुलिस आरोपी से फरारी में सहयोग करने वालों और अन्य आपराधिक मामलों में उसकी संलिप्तता को लेकर भी पूछताछ कर रही है।

सड़क पर वाहन खड़ी करने से लगेगा जुर्माना

जमशेदपुर : जुगसलाई नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी संदीप पासवान के निर्देश पर कर्मचारियों की टीम ने बुधवार को यातायात व्यवस्था सुचारू रखने की योजना से स्टेशन रोड, चौक बाजार, धर्मशाला रोड, क्रॉसिंग रोड सहित अन्य क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान लोगों को वाहन सड़क के दोनों ओर पीली लाइन के भीतर खड़ी करने का सुझाव दिया गया।

रांची से इरगांव तक दौड़ी मेमू पैसेंजर ट्रेन, पहले दिन 300 यात्रियों ने सफर किया

लोहरदगा: रांची-लोहरदगा रेल लाइन में कोयल नदी स्थित रेलवे ब्रिज संख्या 115 के पिलर संख्या चार और पांच में दरार आने के बाद विगत चार जनवरी से लोहरदगा स्टेशन तक रेल सेवा ठप कर दिया गया है। वही बुधवार को रेलवे ने यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए न सिर्फ एक विशेष स्टेशन तक पैसेंजर ट्रेन की शुरूआत की, बल्कि लोहरदगा से टोरी के बीच भी पैसेंजर ट्रेन शुरू की है। रेलवे की ओर से इरगांव तक मेमू पैसेंजर ट्रेन का संचालन शुरू करना, क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी राहत की बात है. बुधवार सुबह 9:55 पर रांची रेलवे स्टेशन से मेमू पैसेंजर इरगांव स्टेशन पहुंची. यहां पहले ही दिन लगभग 300 यात्रियों ने इस ट्रेन से सफर किया. इससे पहले, ट्रेन बंद रहने की वजह से यात्रियों को बस और निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ गए थे। मेमू पैसेंजर के परिचालन से यात्रियों को फिर से रेल यात्रा का भरोसा मिला है। लोहरदगा के इरगांव स्टेशन में फ्री बस सर्विस और इरगांव तक मेमू पैसेंजर के आगमन को लेकर खुद रेलवे की सीनियर डीसीएम सूचि सिंह कमर्शियल स्टाफ के साथ मौजूद रहीं. यात्रियों की सुविधाओं के लिए कई अहम चीज इरगांव स्टेशन में उपलब्ध कराई जाएगी और लोगों के लिए यह एक बड़ी खबर है। गौरतलब है कि कोयल नदी पर स्थित रेलवे ब्रिज संख्या 115 के पिलर संख्या चार और पांच में दरार आने के बाद 4 जनवरी से लोहरदगा स्टेशन तक पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह ठप हो गया था।

सूर्य मंदिर निर्माण में आएगी तेजी, वर्षों से रुके कार्य को पूरा करने का संकल्प

संवाददाता

लोहरदगा : सिद्धि सूर्य मंदिर समिति, सीठियो के तत्वाधान में बुधवार को मंदिर परिसर में एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य संरक्षक पुरुषोत्तम नाथ तिवारी ने की। इस दौरान मंदिर निर्माण के रुके हुए कार्यों को पुनः शुरू करने और उसे जल्द से जल्द अंतिम रूप देने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह बात सामने आई कि मंदिर की नींव रखे हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन किन्हीं कारणों से निर्माण कार्य रुका हुआ था। मुख्य संरक्षक पुरुषोत्तम नाथ तिवारी की विशेष पहल पर अब मंदिर निर्माण को गति देने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि आस्था के इस केंद्र को भव्य रूप देना और अधूरे कार्यों को पूरा करना समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में मंदिर समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित रहेः अध्यक्षः जयप्रकाश साहू, सचिवः महेंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्षः काली साहू, संयोजकः जागेश्वर साहू, अन्य सदस्यः नेम चंद्र भगत, पवन साहू, मनोज साहू, राजू साहू, बजरंग साहू, श्याम साहू एवं अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। समिति ने निर्णय लिया कि जल्द ही निर्माण सामग्री और कारीगरों की व्यवस्था कर मंदिर के ढांचे को पूर्ण किया जाएगा। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

नशे के विरुद्ध कोडरमा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ब्राउन शुगर के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

कोडरमा : मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कोडरमा पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. नशे की तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को कोडरमा पुलिस ने गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही उनके पास से तकरीबन 60 हजार रुपए का ब्राउन शुगर भी बरामद किया है. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तिलैया थाना क्षेत्र के गांधी स्कूल रोड के रहने वाले दो युवकों को पकड़ा है. जिनके पास से ब्राउन शुगर की एक पुड़िया और ब्राउन शुगर के बिक्री के बाद मिले तकरीबन 28 हजार रुपए बरामद किए हैं.

तिलैया डैम के पास नशे का करता था सप्लाई

पुलिस ने तस्करों से जब कड़ाई से पूछताछ की तो पकड़े गए दोनों तस्करों ने बरही से अपने दो और साथियों के आने की जानकारी दी. जानकारी मिलने

पर पुलिस ने बरही से ब्राउन शुगर लेकर आ रहे दो अन्य तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया. दो अन्य तस्कर के पास से भी ब्राउन शुगर की पुड़िया और नगद रुपए बरामद किए गए. तस्करी के मामले में पकड़े गए चारों युवको से कड़ाई से पूछताछ में सभी ने मादक पदार्थों की तस्करी की बात स्वीकार की. सभी ने बताया कि बरही से ब्राउन शुगर लाकर वे लोग तिलैया में इसकी सप्लाई किया करते थे, इससे उन्हें मोटी रकम मिलती थी.

ब्राउन शुगर समेत 50 हजार बरामद

पुलिस ने चारों तस्करों के पास से एक मोटरसाइकिल और एक बोलेरो वाहन के साथ चार मोबाइल, ब्राउन शुगर की पुड़िया और ब्राउन शुगर की बिक्री के बाद प्राप्त किए गए तकरीबन 50 हजार रुपए भी बरामद किए हैं. पूछताछ के बाद चारों युवकों को जेल भेज दिया गया है. मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ अनिल सिंह ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है. साथ ही मादक पदार्थों के तस्करी में संलिप्त गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है.